RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः21 , मंगलवार, 03 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

साइबर अपराधी पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, चार जवान घायल 03

गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ 'तिरहुत शिक्षक सम्मान समारोह–2026', उत्कृष्ट शिक्षकों ... 04

विजय देवरकिोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतिक्षित एक्शन-ड्रामा... 07

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा और आईएसए से भी जुड़ेगा

दोनों देशों का 2030 तक व्यापार 50 बिलियन तक पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की भारत यात्रा के दौरान कई अहमद समझौते हुए हैं। दोनों देशों के बीच क्रिटिकल मिनरल कॉर्पोरेशन, रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और कल्चरल सहयोग पर सहमति बनी है। पीएम मोदी और पीएम कार्नी की मौजूदगी में कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद और भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने इन तीनों समझौतों से जुड़े एमओयू का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा दोनों नेताओं की मौजूदगी के

बीच कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में सहयोग पर भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन के लिए दस्तावेजों का भी आदान-प्रदान किया। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार को साल 2030 तक ट्रेड में 50 बिलियन तक पहुंचना है। इकोनॉमिक कोऑपरेशन की पूरी क्षमता को अनलॉक करना हमारी प्रायोरिटी है। इसलिए, हमने जल्द ही कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट को फाइनल का फैसला किया है।

हरियाणा सरकार के बजट में फरीदाबाद-गुरुग्राम को तोहफा

सैनी ने 2,23,658.17 करोड़ के बजट में अग्निवीर के लिए किया बड़ा ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में सोमवार को सीएम नायब सिंह सैनी ने 2026-27 का बजट पेश किया। 2,23,658.17 करोड़ का बजट पेश करते हुए सीएम सैनी ने किसानों के लिए एग्री डिस्कॉम नाम से नया बिजली निगम बनाने, हर जिले में स्वस्थ नारी क्लिनिक बनाने, हांसी को मॉडर्न डिस्ट्रिक्ट बनाने समेत कई घोषणाएं की। उद्योगों के लिए सरकार ने 500 करोड़

रुपये का एक स्पेशल फंड बनाने की घोषणा की है, जिसका नाम 'सक्षम' दिया गया है। बीजेपी सरकार का यह बजट 2025-26 की तुलना में 10.28 फीसदी ज्यादा है। बतौर वित्त मंत्री अपने बजट भाषण में सीएम ने दावा किया कि राज्य के इतिहास में पहली बार पिछले बजट का 98 प्रतिशत प्रस्तावों का इस्तेमाल किया गया। इस सब के अलावा सीएम ने बजट में पुलिस की भर्ती में 20 फीसदी पद अग्निवीर के आरक्षित करने का ऐलान किया। सोमवार को सीएम नायब सिंह सैनी केसरिया पगड़ी पहनकर विधानसभा पहुंचे और बजट पेश किया। उन्होंने पहले गुरु नानक देव के वचन किरत कर, नाम कर और वंड छक से अपनी भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बजट बनाने से पहले गुड़गांव में लोगों के साथ मीटिंग की।

इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग हुई भीषण

- ईरान ने सऊदी अरब में अरामको की रिफाइनरी पर किया हमला
- मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस शिया देश का हमला

कुवैत में कई अमेरिकी फाइटर जेट क्रैश,कतर-बहरीन पर भी अटैक

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का सोमवार को तीसरा दिन था। ईरान ने सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। इस बीच ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, साइप्रस में स्थित ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है। यह हमला आधी रात को अक्रोटिरी बेस पर हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। **ईरान में 555 की मौत, 740 घायल-** अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए। इनमें 555 लोगों की मौत हो चुकी है।

ईरान के 2 खुफिया अधिकारियों को मारा

इजराइल ने कहा है कि उसने ईरान के खुफिया मंत्रालय के 2 अधिकारियों को मार गिराया है। इजराइली रक्षा बल ने दावा किया कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई एयर स्ट्राइक में सैयद यह्या हमीदी और जलाल पोर हुसैन को निशाना बनाया गया। हमीदी 'इजराइल मामलों' के डिप्टी मिनिस्टर थे और उन पर विदेशों में यहूदियों, पश्चिमी देशों के नागरिकों और ईरान विरोधी तत्वों के खिलाफ गतिविधियों का नेतृत्व करने का आरोप था। जलाल पोर हुसैन मंत्रालय के जासूसी डिवीजन के प्रमुख थे। परमाणु एजेंसी में ईरान के राजदूत ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों में ईरान की नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी को निशाना बनाया है। ईरान का कहना है कि यह एक न्यूक्लियर सेंटर है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय निगरानी रहती है। हमलों में परमाणु प्रतिष्ठान को नुकसान हुआ है।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- हम अमेरिका से बातचीत के लिए हमेशा तैयार

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान हमेशा बातचीत के लिए तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान का रिकॉर्ड डिप्लोमैसी के मामले में अच्छा है, लेकिन अमेरिका का रिकॉर्ड बहुत खराब और नकारात्मक रहा है। उनका कहना है कि ईरान लड़ाई नहीं, बल्कि बातचीत से समस्या का हल चाहता है। सऊदी अरब के सरकारी टीवी के मुताबिक, ड्रोन हमले के बाद सऊदी अरामको कंपनी की रास तनूरा रिफाइनरी को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। यह रिफाइनरी दम्माम के पास स्थित है। पहले रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि दो ड्रोन को मार गिराया गया था, लेकिन उनके मलबे गिरने से तेल रिफाइनरी में आग लग गई।

खामनेई की मौत के बाद जंग की आग में खाड़ी देश

- तेल अवीव से दुबई तक ईरान ने हर ओर किए भीषण वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में तनाव अपने चरम पर है। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए हमले के बाद अब यह पूरे खाड़ी देशों में फैल गया है। शनिवार को इजरायल-अमेरिका द्वारा की गई सैन्य अभियान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद, ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दुबई, अबू धाबी, दोहा और मनामा समेत कई जगहों पर भी मिसाइल दागनी शुरू कर दी। ईरान द्वारा किए गए पलटवार का आलम यह है कि कतर और बहरीन की राजधानियों के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात के सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में भी विस्फोटों की आवाजें गूंज रही हैं। सोमवार को इजरायली सेना ने नए मिसाइलों के आने की पुष्टि की। जिसके बाद न केवल तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजे, बल्कि खाड़ी देशों के नागरिक बुनियादी ढांचों, हवाई अड्डों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी भारी गोलाबारी और ड्रोन हमले देखे गए। ईरान की राजधानी तेहरान पर हुए हमले के तीसरे दिन, तेल अवीव और यरुशलम के ऊपर कई मिसाइलों को रोका गया। वहीं, इराक में एरबिल हवाई अड्डा जहां अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन के सैनिक तैनात हैं और एक बड़ा अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर भी स्थित है। वहां, बार-बार ड्रोन आ रहा जिसे रोका जा रहा है। कुवैत में भी अमेरिकी दुतावास के पास धुएं के गुबार उठते देखा गया। इराक में जहां अमेरिका के कई सैन्य अड्डे स्थित हैं, नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। रविवार को बहरीन की राजधानी मनामा में हवाई अड्डे पर ड्रोन से हमला हुआ, जिससे मामूली नुकसान हुआ। ईरान के हमले में जो सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, वह संयुक्त अरब अमीरात है। जहां ड्रोन द्वारा गिराए गए मलबे से दुबई के रिहायशी इलाकों में दो लोग घायल हो गए। शनिवार को ईरानी हमलों के कारण बुर्ज खलीफा जैसी इमारतों में आग लग गई।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर हमला

- तालिबान के मंत्री बोले-हमने डूरंड लाइन पार की,पाक का दावा- 400 अफगान लड़ाके मारे

इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बीते चार दिनों से लगातार हवाई हमले और गोलीबारी जारी है। तालिबान सरकार का कहना है कि हमने पाकिस्तान के बेहद संवेदनशील नूर खान एयरबेस पर हमला किया है। यह एयरबेस रावलपिंडी में है। इसके साथ ही तालिबान के एक मंत्री ने दावा किया कि उनके लड़ाके डूरंड लाइन पार कर पाकिस्तान की जमीन में घुस चुके हैं।

तालिबान के मुताबिक, क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। ये कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से काबुल, बगराम और अन्य इलाकों में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई। दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार ने दावा किया है कि अब तक 400 से ज्यादा अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

भारत में दो दिन में 760+फ्लाइट कैंसिल

मोदी बोले-भारतीयों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-ईरान जंग के कारण बीते दो दिन में भारत में 760+ इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। सोमवार को भी दिल्ली के दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 फ्लाइट कैंसिल रहीं। दिल्ली, मुंबई, कोच्ची, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जंग पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- पश्चिम एशिया में के हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। मोदी ने आज दिल्ली में हैदराबाद हाउस में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद यह बात कही। इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। श्रीनगर के अलावा पाकिस्तान में भी खामेनेई की मौत के विरोध में हंगामा जारी है। आज सुबह पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-

के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा है। भारत कश्मीर में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगाई है, जिसमें गिलगित में यूएन का ऑफिस भी शामिल है।

पीएम मोदी बोले-

- **मुश्किल वक्त में भारत यूएई के साथ-** अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों और भारत में सुरक्षा को लेकर 1 मार्च की रात करीब 9.30 बजे पीएम मोदी के आवास पर सुरक्षा समिति की बैठक हुई। मीटिंग में वेस्ट एशिया में रहने वाले भारतीयों और वहां फंसे लोगों की सुरक्षा, हालात बिगड़ने पर उससे कैसे निपटा जाए, इस पर चर्चा हुई। फिलहाल वेस्ट एशिया का एयरस्पेस लगभग बंद है। पीएम ने एक्स पोस्ट में बताया कि उन्होंने यूएई प्रेसीडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की।

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट,इक्कीस डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ।

युद्ध हो तो सत्य के लिए, न कि स्वार्थ के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-अमेरिका द्वारा तेहरान पर किए गए संयुक्त हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई है। अब ईरान ने भी पलटवार करते हुए खाड़ी के कई देशों में स्थित अमेरिकी बेस पर हमला किया है। वर्तमान में मिडिल ईस्ट में बेहद तना का माहौल है। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर संघ की प्रतिक्रिया सामने आई है। संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम कामना करते हैं कि दुनिया भर शांति स्थापित हो। यदि युद्ध होते भी हैं तो वह सत्य के लिए हो, स्वार्थों के लिए युद्ध न हो। दूसरे देश में हैं वो सुरक्षित वापस आएं।

विकास की नई सुबह

बस्तर में माओवादी गलियारे ध्वस्त

- 150 नए एफओबी की स्थापना ने तोड़े 14 अभेद्य गलियारे
- एफओबी अब विकास केंद्र बने, स्थानीय लोगों को जोड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बस्तर का जो क्षेत्र सैकड़ों किलोमीटर तक फैले घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ों और उफनते नदियों से भरा हुआ है, कभी माओवादियों का अभेद्य किला रहा है। यहां चार दशकों तक माओवादी सक्रिय थे, जहां न सड़कें थीं, न बिजली, और न ही पुल। ताड़मेटला में 76 जवानों के बलिदान और बुर्कापाल जैसे हमले इस बात के गवाह हैं कि बस्तर में माओवादी गतिविधियों का प्रभाव कितना गहरा था। वर्ष 2021 में टेकुलगुड़ेम में सुरक्षाबलों पर माओवादियों के हमले ने इस स्थिति में पहली बार निर्णायक बदलाव किया। इस हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जंगल में स्थायी उपस्थिति बनाने की रणनीति अपनाई। इसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में 150 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित किए गए। वर्तमान में बस्तर रेंज में 320 सुरक्षा कैंप और एफओबी सक्रिय हैं, जो छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, और अन्य अर्धसैनिक बलों द्वारा संचालित हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव के अनुसार, माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में नए एफओबी स्थापित करना युद्ध से कम नहीं है। कैंपों के बीच की दूरी लगभग पांच किलोमीटर रखी जाती है ताकि संकट के समय त्वरित सहायता मिल सके। कई क्षेत्रों में पहाड़ काटकर सड़कें बनाई गई हैं। पिछले दो वर्षों में माओवादियों के 14 अभेद्य गलियारों को भेदा गया है। अबूझमाड़, जिसे माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता था, वहां 18 एफओबी स्थापित कर संगठन की रीढ़ तोड़ दी गई है। इससे माओवादियों की गतिविधियों में कमी आई है।

- **एफओबी रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा-** गेम-चेंजर बने एफओबीइस रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा। अब ये कैंप समेकित विकास केंद्र बन गए हैं, जहां सड़क निर्माण, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर और शिक्षा का विस्तार संभव हुआ है। स्थानीय आबादी अब शासन-प्रशासन से सीधे जुड़ रही है, जिससे ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है और उग्रवादी समर्थन तंत्र कमजोर हुआ है। सुंदरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि सुरक्षा कैंपों की स्थापना ने बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में प्रभावी प्रशासनिक पहुंच सुनिश्चित की है। यह पहल मिशन 2026 की दिशा में बस्तर को शांति, विकास और स्थायित्व की ओर ले जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

होली के दिन सुबह नहीं चलेगी पटना मेट्रो, दोपहर 2:30 बजे से सेवा होगी शुरू, पाटलिपुत्र टर्मिनल से होगा संचालन

पटना। होली के दिन पटना मेट्रो के समय में बदलाव किया गया है। पटना मेट्रो 4 मार्च को सुबह के समय नहीं चलेगी। होली के अवसर पर पटना मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह के सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगी। दोपहर 2:30 बजे से मेट्रो पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से फिर शुरू होंगी। इसके बाद मेट्रो ट्रेन सेवाएं सामान्य शेड्यूल के अनुसार संचालित होंगी। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा यह जानकारी दी गई है। होली के बाद पटना मेट्रो आज भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक दौड़ेगी। इसके लिए पहला ट्रायल गुरुवार को हुआ। पटना मेट्रो पहली बार शहर के अंदर दौड़ी थी। भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 2.75 किमी में मेट्रो का ट्रायल रन किया गया था। इस दौरान सिग्नलिंग सिस्टम की कपैसिटी, ब्रेकिंग सिस्टम का प्रदर्शन, ट्रैक और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन सिस्टम, स्टेशन समन्वय और संचार व्यवस्था, आपातकालीन सुरक्षा प्रोटोकॉल, ट्रेन को निर्धारित अधिकतम गति तक चलाकर सभी सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया था। पटना मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक, भूतनाथ से मलाही पकड़ी के बीच 2.75 किमी में परिचालन की अंतिम तैयारी चल रही है। इसके बाद लोग मलाही पकड़ी से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल तक 6.2 किमी एलिवेटेड मेट्रो पर सफर करेंगे। इनके बीच पांच स्टेशन पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरोमाइल, भूतनाथ, खेमनीचक और मलाही पकड़ी में होंगे। खेमनीचक एलिवेटेड स्टेशन को एक्सचेंज स्टेशन बनाया जा रहा है। यहां से कॉरिडोर-1 और कॉरिडोर-2 दोनों तरफ जाने वाली रूट की मेट्रो मिलेगी। इस कारण स्टेशन के निर्माण में समय लग रहा है।

पवन सिंह का राज्यसभा जाना तय-करीबी गुंजन सिंह का दावा, हाल में नितिन नवीन से मिले थे पावर स्टार

पटना। भोजपुरी स्टार पवन सिंह के खास माने जाने वाले भोजपुरी गायक गुंजन सिंह ने बड़ा दावा किया है। गुंजन सिंह ने कहा है कि पवन सिंह का राज्यसभा जाना तय है। उन्होंने कहा कि नोटिफिकेशन आने दीजिए। सब क्लीयर हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को जवाब दिया है। अक्षरा सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि, पवन सिंह सड़ा हुआ नाम है। इस पर गुंजन सिंह ने कहा, 'जब साथ थी तो क्या-क्या नहीं करती थीं। कल साथ थी तो ठीक था। अब दूर होने पर पता नहीं क्या क्या कह रही है।' गुंजन सिंह ने खेसारी लाल को कहा कि पवन भइया के बारे में बोलने से पहले सोच कर बोला करो। दिल्ली में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से पवन सिंह ने हाल ही में मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद पवन सिंह ने कहा था कि नितिन नवीन से मिलकर उनका आशीर्वाद लिया। राज्यसभा जाने पर उन्होंने कहा था कि जो भगवान चाहेंगे वही ना होगा। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त पवन सिंह की आरा सीट से भी चुनाव लड़ने की तेज चर्चा थी। हालांकि, पवन सिंह ने चुनाव तो नहीं लड़ा था लेकिन चुनाव में बीजेपी के लिए उन्होंने जमकर प्रचार किया था। ऐसा कहा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में पवन सिंह की मेहनत को देखते हुए पार्टी उन्हें राज्यसभा सीट बतौर इनाम दे सकती है। इधर, रालोमा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली रवाना हुए हैं। सूत्रों की मानें तो दिल्ली में उनकी मुलाकात बीजेपी के बड़े नेताओं से हो सकती है। राज्यसभा उम्मीदवारी की चर्चा के बीच उनका यह दिल्ली दौरा महत्वपूर्ण है।

तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो में मारी टक्कर, एक मौत, पोता को इलाज कराने जा रहे थे दादा

हाजीपुर। वैशाली में सोमवार की अहले सुबह करीब 1 बजे लालगंज के घटारो में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को करताहा पुलिस ने सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय निवासी रवि कुमार साहू के अनुसार रामनगर टोला निवासी शिवकुमार सिंह अपने पोते को इलाज कराने के लिए टेम्पू से घटारो चौक जा रहे थे। ऑटो पर शिवकुमार सिंह, उनकी बहू और पोता सवार थे, जबकि ऑटो को उनका बेटा मौसम कुमार चला रहा था। यह पूरी परिवारिक यात्रा अचानक दर्दनाक हादसे में बदल गई। लालगंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पू में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पू पर सवार बहू, बेटे और पोते को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद शिवकुमार सिंह कहीं दिखाई नहीं दिए। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की। कुछ दूरी पर सड़क पर ही शिवकुमार सिंह का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही करताहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने तत्काल घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा और मृतक शिवकुमार सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद क्षेत्र में दुख और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार वाहन और रात्रि में ट्रकों की अनियंत्रित आवाजाही लगातार हादसों का कारण बन रही है।

बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या, शराब पीने से रोकने पर बदमाशों ने हसुआ से काटा

हाजीपुर। वैशाली में एक बुजुर्ग महिला की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना राघोपुर प्रखंड के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राघोपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या 12 की है, जहां 70 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान दाजो देवी (लगभग 70 वर्ष), पत्नी स्वर्गीय देव विलास राय के रूप में हुई है। वह पिछले करीब 15 वर्षों से अपने घर में अकेली रह रही थीं। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है। मृतका के पुत्र सुनील राय ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व अक्सर उनके घर के पास बैठकर शराब पीते थे। उनकी मां इसका विरोध करती थीं, जिस पर उन्हें कई बार जान से मारने की धमकी दी गई थी। सुनील राय ने पुलिस को बताया कि वह और उनका भाई रांची में रहते हैं। वे एक सप्ताह पहले गांव आए थे और शुक्रवार को मां से मिलकर वापस लौट गए थे। शनिवार शाम तक उनकी मां से मोबाइल पर बातचीत हुई थी, लेकिन इसके बाद उनका फोन बंद आने लगा। रविवार रात पड़ोसियों ने सुनील राय को सूचना दी कि उनकी मां की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां दाजो देवी का शव घर के कमरे में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना एक हसुआ बरामद किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया गया है। परिजनों ने हत्या के साथ लूट की आशंका भी जताई है। उनका कहना है कि वृद्धा के कान में पहनी सोने की बाली और गले में पड़ी चाबी गायब है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और विभिन्न बिंदुओं पर जांच जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ओझा ने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

कोचिंग संस्थानों अवैध होटल-हॉस्टल अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट

एजेंसी, पटना

- पटना में 150 संस्थाओं को भेजा नोटिस, मानक नहीं पूरे किए तो होगी एफआईआर

राजस्थान और महाराष्ट्र की हालिया घटनाओं के बाद बिहार में अग्निशमन विभाग अलर्ट मोड में है। पटना के भीतर 150 से अधिक संस्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया है। इनमें कोचिंग संस्थान, अवैध होटल-हॉस्टल, अस्पताल और बहुमंजिला इमारतें शामिल हैं। राज्य अग्निशमन पदाधिकारी मनोज कुमार नट ने बताया कि अब तक करीब 80 संस्थानों की जांच हो चुकी है। कई जगह गंभीर खामियां मिली हैं। संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। तय समय में सुधार नहीं हुआ तो FIR दर्ज कराई जाएगी। कुछ मामलों में वैधानिक एजेंसियों को भी पत्र लिखा गया है।

कहां-कहां मिली खामियां: राज्य अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि, ऐसी संस्थाओं में फायर सेफ्टी को लेकर कई खामियां पाई गईं। जांच में सामने आया कि कई इमारतों में फायर एक्सटिंगिवशर तक नहीं हैं। हाईराइज बिल्डिंग में मानकों के अनुरूप अग्नि सुरक्षा व्यवस्था नहीं। कोचिंग संस्थानों की सीढ़ियां संकीर्ण, आपात निकास का अभाव। पहुंच मार्ग तंग, जिससे दमकल वाहन पहुंचने में दिक्कत। सीढ़ियों के नीचे ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण। इन सभी को नोटिस जारी किया गया है। ऐसे संस्थानों को पहले भी निर्देश दिया गया था कि मानकों को पूरा कर लें। बावजूद इसके अभी तक नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में अग्निशमन विभाग अब इनके खिलाफ सख्ती से पेश आएगा। मुसल्लहपुर, कंकड़बाग और बोरिंग रोड में सबसे ज्यादा गैदरिंग पटना के अंदर मुसल्लहपुर कंकड़बाग बोरिंग रोड का इलाका कोचिंग संस्थानों का हब है। यहां सबसे अधिक गैदरिंग होती है। यहां पर कई ऐसी संस्थाएं हैं, जिसमें कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

अग्निशमन विभाग का भी इन इलाकों की संस्थाओं पर पैनी नजर है। एक टीम गठित की गई है, जो लगातार ऐसी संस्थाओं में जा रही है और उनके मानकों की जांच पड़ताल कर रही है। फिलहाल. आज भी अग्निशमन विभाग की कार्रवाई चल रही है। टीम सुबह से 10 से अधिक संस्थाओं की पड़ताल कर चुकी है।

महावीर मंदिर के संध्या आरती के समय में हुआ बदलाव

होली के दिन से शाम 8 बजे होगी आरती, चंद्रग्रहण के कारण सात घंटे बंद रहेगा मंदिर का पट

एजेंसी, पटना

पटना महावीर मंदिर के संध्या आरती के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन से यानी 4 मार्च से अब शाम की आरती 8 बजे होगी। 3 मार्च को चंद्रग्रहण को लेकर मंदिर का पट लगभग सात घंटों के लिए बंद रहेगा। चंद्रग्रहण शाम 05:50 से 06:46 तक है। सूतक के कारण मंदिर का पट दोपहर 02:30 बजे से रात के 9 बजे तक बंद रहेगा।

इस दौरान भक्त हनुमान जी सहित किसी भी देवी-देवता का दर्शन नहीं कर सकेंगे। ग्रहण समाप्त होने और शुद्धिकरण की प्रक्रिया के बाद रात 9:05 बजे मंदिर के पट फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। जो भी भक्त हैं, वह 02:30 बजे से पहले ही दर्शन कर सकेंगे। हालांकि, बुधवार से मंदिर का पट अपने निर्धारित समय पर ही खुलेगा।

महावीर मंदिर प्रबंधन की ओर से दी गई जानकारी: यह जानकारी महावीर मंदिर प्रबंधन की ओर से दी गई है। चंद्र ग्रहण के दिन मंगलवार पड़ रहा है और इस दिन हनुमान मंदिर में काफी भीड़ रहती है। मंदिर प्रबंधन ने सूचना जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी ताकी भक्तों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वहीं, महावीर मंदिर प्रतिदिन सुबह 5:00 बजे से रात 10:30 बजे तक खुला रहता है। मंदिर खुलते ही सुबह 5 बजे मंगला आरती होती है और फिर 11 बजे भोग आरती होती है। वहीं, संध्या आरती का समय शाम के 7:30 बजे है।

ग्रहण के दौरान मूर्ति पूजा और मूर्तियों का स्पर्श वर्जित: ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक ग्रहण के दौरान मूर्ति पूजा और मूर्तियों का स्पर्श वर्जित होता है। इसके अलावा भोजन पकाना या खाना, नए कार्य का आरंभ, तुलसी के पौधे को स्पर्श नहीं करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को चाकू एवं छुरी का प्रयोग नहीं करें, क्योंकि इसका सीधा असर गर्भ में पल रहे बच्चे पर होता है। चंद्रग्रहण को नग्न आंखों से न देखें। ग्रहण काल के पहले भोज्य और पेय पदार्थों में कुश रख दें।

मद्य निषेध विभाग की छापेमारी, महिला की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र स्थित अख्तियारपुर मुसहरी में सोमवार को मध्य निषेध विभाग की छापेमारी के दौरान भगदड़ मच गई। इस घटना में लक्ष्मीनीया देवी नामक एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने बिक्रम-पाली मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मध्य निषेध विभाग की टीम अख्तियारपुर मुसहरी में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के लिए पहुंची थी। छापेमारी की खबर फैलते ही वहां अफरातफरी का माहौल बन गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी भगदड़ में लक्ष्मीनीया देवी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिक्रम ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही मुसहरी के ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने लाठी-डंडा लेकर बिक्रम-पाली मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। ग्रामीण घटना की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया और यातायात सामान्य हो सका।

चिराग के दफ्तर में होली, रंग-गुलाल के बीच गूंजे ढोल, वीणा सिंह बोलीं-राज्यसभा पर अंतिम फैसला अध्यक्ष का

एजेंसी, पटना

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के कार्यालय में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। रंग-गुलाल और ढोल-नगाड़ों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं, वहीं चिराग पासवान ने भी कार्यकर्ताओं के साथ जमकर होली खेली और सभी को पर्व की बधाई दी।

होली भाईचारे और सामाजिक समरसता का पर्व-चिराग: पारंपरिक गीत-संगीत के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। चिराग पासवान ने कहा कि, होली भाईचारे और सामाजिक समरसता का पर्व है, जो सभी को एकजुट करता है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व बिहार में सुख, शांति और विकास का संदेश लेकर आए।

शादी के सवाल पर क्या बोले चिराग?: कार्यक्रम के दौरान जब चिराग पासवान से उनकी शादी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि, 'इसका मेरे पास कोई जवाब नहीं है। लेकिन हर किसी के जीवन में खुशियों का संग बना रहे, यही जरूर चाहूंगा।'

सांसद वीणा सिंह का बयान: इस मौके पर एलजेपी (रामविलास) की सांसद वीणा सिंह ने कहा कि, 'पार्टी ने राजनीति में एक मजबूत मुकाम हासिल किया है और आगे भी संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा। बिहार की जनता ने पार्टी को आशीर्वाद दिया है। इसी का परिणाम है कि पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हम लोगों को जनता ने जो मजबूती दी है, उसके लिए हम आभारी हैं।'

राज्यसभा चुनाव पर बोले चिराग: राज्यसभा में एक सीट की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस विषय में अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का होगा और जो भी निर्णय लिया जाएगा, सभी कार्यकर्ता उसे स्वीकार करेंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए वीणा सिंह ने तेजस्वी यादव को लेकर कहा कि जब उनके पास विधायक ही नहीं हैं तो वे राज्यसभा कैसे जाएंगे?

राज्यसभा उम्मीदवारी को लेकर उपेंद्र कुशवाहा पहुंचे दिल्ली

एजेंसी, पटना

- आरएलएम और भाजपा में मर्जर को लेकर चर्चा गर्म, बीजेपी के बड़े नेताओं से मिलकर लेंगे फैसला

राज्यसभा के पास सीटों के चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को दिल्ली बुलाया गया है। जानकारी के अनुसार वे दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं, जहां उनकी मुलाकात भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं से हो सकती है। राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रही अटकलों के बीच कुशवाहा का यह दिल्ली दौरा खासा अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात में राज्यसभा उम्मीदवारी, आगामी चुनावी रणनीति और बिहार में गठबंधन की मजबूती जैसे मुद्दों पर चर्चा संभव है।

राज्यसभा की चर्चा से बढ़ी सरगर्मी: बिहार में राज्यसभा की संभावित सीटों को लेकर सियासी दलों के बीच अंदरखाने मंथन जारी है। ऐसे में उपेंद्र कुशवाहा का दिल्ली दौरा इस बात के संकेत दे रहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ बड़े राजनीतिक फैसले लिए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक न तो आरएलएम की ओर से और न ही बीजेपी की तरफ से किसी आधिकारिक बयान की पुष्टि हुई है।

मर्जर की अटकलें भी तेज: इधर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा और भारतीय जनता पार्टी के बीच संभावित विलय (मर्जर) की खबरें भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। पिछले कुछ समय से दोनों दलों के बीच बढ़ती नजदीकियों को इसी कड़ी में देखा जा रहा है। आगामी दिनों में दोनों पार्टी के औपचारिक विलय को लेकर के भी निर्णय लिया जा सकता है।

बिहार के 5 सीटों पर चल रही मंथन: भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी है, जिनमें बिहार की 5 सीटें भी शामिल हैं। इन सीटों के लिए आधिकारिक अधिसूचना 26 फरवरी 2026 को जारी की गई और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च तय की गई है। मतदान और मतगणना दोनों प्रक्रियाएं 16 मार्च 2026 को संपन्न होंगी।

बिहार के इन सांसद का कार्यकाल हो रहा खत्म: बिहार में जिन 5 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है, उनमें राज्यसभा उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर (JDU), प्रेम चंद्र गुप्ता, अमरेंद्र धारी सिंह (RJD) और उपेंद्र कुशवाहा (RLM) शामिल हैं। इन सीटों पर जीत के लिए एनडीए और विपक्षी महागठबंधन अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

पटना में 15 मार्च को 7वां भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स, सिनेमा जगत की हस्तियां होंगी शामिल

एजेंसी, पटना

- सांस्कृतिक प्रस्तुतियां-लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस होंगे

भोजपुरी सिनेमा के 7वें सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स शो का आयोजन 15 मार्च को राजधानी पटना के बापू सभागार में किया जाएगा। यह समारोह भोजपुरी फिल्म उद्योग के लिए एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें सिनेमा जगत की नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगे। सरस सलिल के इंचार्ज भानु प्रकाश राणा ने बताया कि यह अवॉर्ड शो अब बिहार की राजधानी पटना में हो रहा है, जो एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस बार इसे और भव्य और बड़े स्तर पर किया जाएगा और दर्शकों के लिए यह मनोरंजन का शानदार अनुभव रहेगा।

भानु प्रकाश राणा ने बताया कि इस अवॉर्ड शो में नामांकित फिल्मों और कलाकारों को जूरी की ओर से चयनित कर विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस और स्टार नाइट मुख्य आकर्षण रहेंगे।

डिजिटल युग के साथ बदला अवॉर्ड शो का स्वरूप: भोजपुरी सिनेमा के कॉमेडियन रोहित सिंह मटरू ने बताया इस वर्ष के आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता इसका परिवर्तित फॉर्मेट है। बदलते समय और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार को ध्यान में रखते हुए इस बार अवॉर्ड शो को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है। सिनेमा (थिएटर रिलीज फिल्में), ओटीटी प्लेटफॉर्म और यूट्यूब/टीवी कंटेंट के आधार पर बेस्ट अवॉर्ड्स दिए जाएंगे। आयोजन समिति से जुड़े बृहस्पति कुमार पांडेय ने बताया कि भोजपुरी कंटेंट अब केवल सिनेमाघरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ओटीटी और डिजिटल माध्यमों के जरिए विश्वभर में देखा जा रहा है। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर कार्य करने वाले कलाकारों और तकनीशियनों को समान मंच देना समय की आवश्यकता है।

2020 से शुरू हुआ सम्मान का यह सिलसिला: सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स शो की शुरुआत 2020 में बस्ती जिले से हुई थी, जिसका उद्देश्य था भोजपुरी सिनेमा को एक व्यवस्थित और प्रतिष्ठित मंच देना था। लोकप्रिय पत्रिका सरस सलिल की ओर से शुरू की गई इस पहल ने कुछ ही वर्षों में भोजपुरी फिल्म उद्योग में अपनी विशेष पहचान बना ली। इसके बाद अयोध्या में 3 बार, बस्ती में 2 बार, इसका आयोजन हुआ था। लगातार इस आयोजन की भव्यता और सहभागिता में वृद्धि होती गई।

आईपीएस की बुक साइबर फ्रॉड करेगी लोगों को सतर्क

एजेंसी, पटना

- प्रदेश की 50 घटनाओं की कहानियां, कॉल सेंटर से बड़े पैमाने पर पनपता अपराध

पटना में IPS सुशील कुमार की बुक साइबर कथाएं- डिजिटल सुरक्षा की राह पर को लेकर गांधी संग्रहालय में परिचर्चा का आयोजन हुआ। परिचर्चा में बड़ी संख्या में पटना के साहित्यकार, रंगकर्मी, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। इस दौरान बुक से जुड़ी कई बातें रखी गईं। देश और प्रदेश में हो रहे साइबर क्राइम को लेकर सभी ने चिंता जताई और सुझाव भी व्यक्त किए। वहीं, किताब को लेकर कवि प्रो. रमेश ऋतंभर ने कहा कि पूंजीवाद के संकट के दौर में यह किताब हमारे अंदर के भय, छल और कपट को सामने लाती है। यह क्राइम से बचने की कोई किताब नहीं है। यह लेखन है, रचनात्मक लेखन है। आगे कहा, हमें कैसे और क्यों ठग लिया जाता है? हम लालच के कारण ठगे जा रहे हैं। यह हमारे समय समाज के अंदर के ठग लिए जाने की प्रवृत्ति को समाने लाती है। ज्यादातर जल्दी अमीर बनने और अन्य कारणों से ठगी के शिकार हो रहे हैं।

बुक के लेखक बोले-कहानियों के जरिए दिए हैं कई संदेश: पुस्तक लेखक सुशील कुमार ने बताया, साइबर से संबंधित अपराध जब 2015 से 2018 के बीच बढ़ रहा था, तब थाने से भगा दिया जाता था। पुस्तक को सरल भाषा में कैसे लाई जाए यह चुनौती थी। आगे कहा, मैंने छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से अपनी बात कहने की कोशिश की। किताब को रोचक बनाने के लिए शीर्षक रखे गए हैं। सभी अच्छी कहानियां हैं पर जिनकी कहानियां हैं, उनकी निजता का सम्मान करने लिए नाम बदल दिया गया है।

डिजिटल अरेस्ट के दौर में साइबर सुरक्षा जरूरी है: नीरज गुरु ने कहा कि किताब का टाइटल डिजिटल सुरक्षा की राह बहुत महत्वपूर्ण है। आजकल डिजिटल अरेस्ट कर लिया जाता है। ऐसे में साइबर सुरक्षा की जरूरत है। किताब में भोजपुर जिले की एक शिक्षिका की कहानी के माध्यम से अपनी बात कही गई है। इसमें पचास कहानियां शामिल हैं। साइबर क्राइम के मोड्स ऑपरेंडी से हमें परिचित कराती है किताब। बिहार प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष व चर्चित कथाकार संतोष दीक्षित ने कहा, मेरे लिए आज दोहरी खुशी है। सुशील को मैं कवि मानता था, लेकिन अब वे कथा की ओर आ रहे हैं। साइबर क्राइम संगठित रूप से कॉल सेंटर चलाकर किया जाता है। हिंदी में यह अपने ढंग की पहली किताब है। कथा जगत का यह आधुनिक विस्तार है। अपने यहां पंचतंत्र और जातक कथाओं की बातें हमारी स्मृतियों में मौजूद हैं। यह किताब उसका आधुनिक रूप है। यह अपराध की कार्यशैली को कथाओं के माध्यम से सामने लाकर जागरूक तो बनाता ही है हमें सुरक्षित भी करता है। साइबर की दुनिया रोमांचकारी और खतरों से भी भरी हुई है। शिल्प की दृष्टि से रिपोर्ताज और कथा दोनों है। एमिटी यूनिवर्सिटी में लॉ फैकल्टी के डीन राजीव रंजन ने कहा कि साइबर अपराध जितने बड़े पैमाने पर हो रहे हैं, इससे संबंधित जितने तकनीकी टर्म्स रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हत्या कांड का मुख्य वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने हत्या कांड में फरार चल रहे मुख्य वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कांड संख्या 124/26 में नामजद आरोपी रवि कुमार को गिरफ्तार किया है। वह पतौरा बनकट गांव, थाना मुफ्फसिल, जिला पूर्वी चंपारण का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। इसके अलावा घटना के समय पहना गया खून से सना कपड़ा तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी बरामद कर विधिवत जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने सभी बरामद वस्तुओं को साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या कांड के उद्भेदन को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। मामले में अन्य संभावित आरोपियों की तलाश भी जारी है।

नेपाल बॉर्डर से 50 लीटर नेपाली शराब बरामद, कारोबारी की तलाश

बीएनएम @ मोतिहारी : होली पर्व को देखते हुए शराबबंदी को सख्ती से लागू कराने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र में शराब के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस ने नेपाल सीमा के समीप बलुआ इलाके में कार्रवाई करते हुए करीब 50 लीटर नेपाली शराब बरामद की है। पुलिस को देखते ही शराब कारोबारी मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है और कारोबारी की पहचान कर उसके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि होली पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी कर रही है।

5 लाख रुपये और स्मार्ट वॉच लेते सहायक अभियंता रंगे हाथ गिरफ्तार, निगरानी टीम की कार्रवाई

बीएनएम @ बेतिया। विशेष निगरानी इकाई (SVU) की टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा परियोजना पदाधिकारी कार्यालय, बेतिया में तैनात सहायक अभियंता रोशन कुमार को 5 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी टीम ने उनके पास से रिश्वत की राशि और एक स्मार्ट वॉच भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार रोशन कुमार पर आरोप है कि उन्होंने स्कूलों में कराए गए निर्माण कार्यों के भुगतान के एवज में ठेकेदार से कमीशन की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने विशेष निगरानी इकाई, पटना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि करीब 57 लाख रुपये के कार्य भुगतान के बदले अभियंता ने 10 प्रतिशत कमीशन यानी 5.70 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। निगरानी इकाई ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार जब अभियुक्त को 5 लाख रुपये और एक स्मार्ट वॉच रिश्वत के रूप में दिया गया, तभी निगरानी टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। इस मामले में विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या 09/2026 दिनांक 01 मार्च 2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा-7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में गठित निगरानी टीम ने किया। निगरानी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सारथी रथ'' से बढ़ेगी परिवार नियोजन की जागरूकता

सिविल सर्जन ने दिखाई हरी झंडी

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में मिशन परिवार विकास के तहत परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों में 5 दिनों तक "सारथी रथ" का संचालन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य आमजन को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और सुरक्षित परिवार नियोजन सेवाओं के प्रति जागरूक करना है।इसी क्रम में आज, 02 मार्च 2026 को सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार ने सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डॉ. अर्श मुन्ना (इंचार्ज), डीसीएम, डीएमएंडई बिनय कुमार सिंह, डीयूएचएम चंद्र किशोर और पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि प्रेम कुमार सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।मिशन के अगले चरण में 6 मार्च से 20 मार्च तक विशेष सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस अवधि के दौरान जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी और अन्य परिवार नियोजन सेवाएं निःशुल्क और सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन का लक्ष्य जनसहभागिता के माध्यम से पश्चिम चंपारण में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर एक खुशहाल और सुरक्षित समाज का निर्माण करना है।

साइबर अपराधी पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, चार जवान घायल

» 38 नामजद व 25-30 अज्ञात पर केस, 11 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत अंतर्गत दुदही गांव (वार्ड संख्या-15) में रविवार की शाम साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों और आरोपितों के परिजनों ने हमला कर दिया। लाठी-डंडे से हुए इस हमले में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। मामले में पुलिस ने 38 नामजद तथा 25 से 30 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। मिली जानकारी के अनुसार वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम साइबर अपराधी नीरज कुमार (पिता–सुखदेव साहनी) और सिकंदर कुमार (पिता–राम आशीष यादव) को पकड़ने के लिए दुदही गांव पहुंची थी। पुलिस वाहन को देखते ही दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। इसी दौरान नीरज कुमार ने अपना मोबाइल फोन झाड़ियों में फेंक दिया, जिसे बाद में पुलिस ने खोजकर बरामद कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस जब दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर वाहन में बैठाने की कोशिश कर रही थी, तभी उनके परिजन और ग्रामीण उग्र हो गए और पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई, जिससे चार जवान घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। इस मामले में पुलिस अवर निरीक्षक अविनाश कुमार के लिखित आवेदन पर हरसिद्धि थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 38 लोगों को नामजद तथा 25 से 30 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए झूना सहनी, सुमन कुमार, शिवशंकर सहनी, छठी कुमारी, चांदनी कुमारी, अंतिमा कुमारी, उमा देवी, ललिता देवी, राजनंदनी कुमारी, सुनीता कुमारी और अंशु कुमारी सहित 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस पर हमला करने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। शेष आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार, एसआई शिखा कुमारी, एसआई सिराज अहमद सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। कार्रवाई का नेतृत्व प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार कर रहे थे।

हत्या कांड का नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त टाइगर चाकू बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

हत्या कांड में फरार चल रहे एक नामजद अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला छतौनी थाना क्षेत्र का है, जहां वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार छतौनी थाना कांड संख्या 117/2026 के तहत दर्ज हत्याकांड में नामजद अभियुक्त लखदेव यादव उर्फ लखी कुमार को गिरफ्तार किया गया है। वह मंगलापुर गांव, थाना संग्रामपुर, जिला पूर्वी चंपारण का निवासी बताया गया है। पुलिस ने बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से घटना में प्रयुक्त टाइगर चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले में अन्य बिंदुओं पर भी जांच जारी है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार पासवान, अपर थानाध्यक्ष, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल देव वर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक मो. फिरोज तथा छतौनी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

होली में जाम छलकाने की तैयारी पर उत्पाद विभाग ने फेरा पानी, तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

होली पर्व को लेकर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई अरेराज उत्पाद थाना क्षेत्र में की गई, जहां गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर विदेशी शराब के साथ आरोपी को दबोच लिया गया। बताया जाता है कि अरेराज उत्पाद थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के निर्देश पर एसआई उत्पल कुमार और दारोगा अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने एचपी गैस प्लांट कोबैया के पास छापेमारी की। इस दौरान शराब की डिलीवरी करने पहुंचे एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तस्कर के पास से विदेशी शराब के तीन पीस कैन बीयर बरामद किया। बताया जा रहा है कि आरोपी होली के मौके पर शराब की सप्लाई करने की तैयारी में था, लेकिन उत्पाद विभाग की तत्परता से उसकी योजना पर पानी फिर गया। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

होली को लेकर प्रशासन सख्तः अरेराज में फ्लैग मार्च व वाहन जांच सूखे नशे के खिलाफ चला अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी/अरेराज

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अरेराज अनुमंडल प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने व्यापक अभियान चलाया। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा के नेतृत्व में नगर क्षेत्र और संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च किया गया तथा लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अंचल अधिकारी उदय नारायण सिंह, नगर पंचायत अरेराज के कार्यपालक पदाधिकारी निखिल कुमार, गोविंदगंज थानाध्यक्ष राजू मिश्रा और अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। संयुक्त टीम ने नगर क्षेत्र के साथ-साथ रढ़िया, बलहा सहित चिन्हित संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च कर लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने और अफवाहों से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन या पुलिस को देने की अपील की गई। इसी क्रम में बेतिया–अरेराज मुख्य मार्ग पर वाहन जांच अभियान भी चलाया गया। जांच के दौरान मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर सघन तलाशी ली गई। वहीं पान दुकानों की भी जांच की गई और तंबाकू व अन्य प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री को लेकर दुकानदारों को आवश्यक निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने बताया कि होलिका दहन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अग्निशमन और विद्युत आपूर्ति से संबंधित आवश्यक एहतियाती निर्देश भी जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से आपसी भाईचारे के साथ होली मनाने की अपील की है।

रक्सौल–हल्दिया एक्सप्रेस–वे के लिए सर्वे शुरू, पूर्वी चंपारण के 122 मौजा से गुजरेगा मार्ग

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी रक्सौल–हल्दिया एक्सप्रेस-वे परियोजना को लेकर विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे के लिए पूर्वी चंपारण जिले के 122 मौजा की सूची तैयार कर सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार सर्वे पूरा होने के बाद प्रस्तावित सूची में आंशिक संशोधन भी संभव है। जानकारी के मुताबिक फिलहाल हल्दिया पोर्ट से रक्सौल के रास्ते नेपाल तक मालवाहक वाहनों को पहुंचने में करीब तीन से चार दिन का समय लग जाता है। एक्सप्रेस-वे बनने के बाद यह दूरी लगभग एक दिन में तय की जा सकेगी। इससे परिवहन लागत में कमी आएगी और नेपाल के लिए सामान की आपूर्ति तेज व कम खर्चीली हो जाएगी। साथ ही झारखंड से भी बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होने की संभावना है, जिससे व्यापारियों और आम लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। बताया जाता है कि यह परियोजना जिले की अब तक की सबसे बड़ी सड़क योजना मानी जा रही है। इससे पहले राम-जानकी पथ और सिलीगुड़ी–गोरखपुर एक्सप्रेस-वे जिले के लगभग 49 से 80 मौजा से होकर गुजरती है, जबकि रक्सौल–हल्दिया एक्सप्रेस-वे का प्रस्तावित मार्ग 122 मौजा को प्रभावित करेगा। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे सीमावर्ती क्षेत्र रक्सौल से शुरू होकर आदापुर, छौड़ादानो, बनकटवा, चिरैया, पताही, पकड़ीदयाल, फेनहारा और मधुबन होते हुए शिवहर जिले की ओर आगे बढ़ेगा। सूची के अनुसार रक्सौल प्रखंड के हरैया, शीतलपुर, एकडेरवा, बैरियावृत, चंदुली, सिसवा, हमाही, सिमोहरवा, मुसदादीन, श्रीमनपुर, गम्हरिया, करमवा पुरुषोत्तमपुर, कौड़ीहार, सिनुरिया, हल्दिया, चंपापुर और कटगेनवा सहित कई गांव इस परियोजना के दायरे में आएंगे। वहीं पताही प्रखंड के डुमरी बैजू, सरैया गोपाल, पताही जदू, भितघरवा, मिर्जापुर, चंपापुर, बेलाहीराम, रामपुर मनोरथ, बखरी, कोदरिया, बेतौना और बड़हरवा लखनसेन समेत अन्य गांव भी प्रस्तावित सूची में शामिल किए गए हैं। इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से जिले में परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। नेपाल और हल्दिया पोर्ट के बीच तेज व सुगम संपर्क स्थापित होने से पूर्वी चंपारण की रणनीतिक और आर्थिक महत्ता भी बढ़ेगी।

एमजीसीयूबी के छात्र उज्ज्वल कुमार का आई-डिस्कवर फेलोशिप में चयन

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयूबी) के सामाजिक कार्य विभाग के एमएसडब्ल्यू अंतिम सेमेस्टर के छात्र उज्ज्वल कुमार का चयन शिक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था क्षमतालय फाउंडेशन की आई-डिस्कवर फेलोशिप के लिए हुआ है। इस फेलोशिप के तहत वे पूर्णकालिक रूप से समस्तीपुर जिले में शिक्षा सुधार से जुड़े कार्यक्रमों पर कार्य करेंगे। उज्ज्वल कुमार जल्द ही विश्वविद्यालय से परास्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले हैं। ऐसे में उनका यह चयन एक महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुख उपलब्धि माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों का राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में चयन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। स्कूल ऑफ सोशल साइंस के डीन एवं सामाजिक कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. सुजीत कुमार चौधरी ने इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। वहीं विभाग के प्राध्यापकों—डॉ. उपमेश तलवार, डॉ. मृतुंजय कुमार सिंह, डॉ. अनुपम कुमार वर्मा, डॉ. अल्पिका त्रिपाठी, डॉ. अरुण दुबे और डॉ. मुस्कान भारती—ने भी उन्हें बधाई दी।

बहन की शादी से पहले घर में छाया मातम, सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत

बीएनएम @ पताही

बहन की शादी की तैयारियों में जुटे एक 19 वर्षीय युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने से खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। यह दर्दनाक हादसा पचपकड़ी थाना क्षेत्र के अम्बेडकर चौक के पास हुआ, जहां बाइक की टक्कर सड़क किनारे खड़े एक टेम्पो से हो गई। मृतक की पहचान पताही थाना क्षेत्र के जरदाहा गांव निवासी टुनू साहनी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि 9 मार्च को उनकी छोटी बहन की शादी होने वाली थी। इसी सिलसिले में वह अपनी भाभी के साथ शादी का सामान खरीदने बाजार गए थे और खरीदारी कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान अम्बेडकर चौक के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े एक टेम्पो से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टुनू साहनी की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार टुनू साहनी स्वभाव से मिलनसार और जिम्मेदार युवक थे तथा परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में हमेशा आगे रहते थे। इससे पहले भी परिवार एक बड़े दुख से गुजर चुका है, क्योंकि उनके एक भाई की मौत सांप के काटने से हो चुकी है। बड़ी बहनों की शादी पहले ही हो चुकी थी और अब छोटी बहन की शादी की तैयारियों के बीच यह हादसा पूरे परिवार के लिए गहरा सदमा बन गया। घटना की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीण लगातार मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पचपकड़ी के अम्बेडकर चौक के पास अक्सर सड़क किनारे टेम्पो और अन्य वाहन खड़े रहते हैं, जिसके कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस स्थान पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सिमरन होटल में शराब पार्टी पर छापेमारी, पांच गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

होली पर्व को लेकर जिले में चल रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने होटल में चल रही शराब पार्टी का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला छतौनी थाना क्षेत्र का है, जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि जयसवाल होटल के पीछे स्थित सिमरन होटल में कुछ लोग होली के अवसर पर शराब पार्टी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक हेमंत कुमार सिंह और सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने होटल में छापेमारी की तो मौके से पानी की बोतलों में रखी विदेशी शराब जैसा पदार्थ बरामद किया गया। छापेमारी के दौरान एक लीटर की पानी की बोतल में करीब 250 एमएल तथा 500 एमएल की बोतल में करीब 100 एमएल विदेशी शराब जैसा पदार्थ मिला। इसके अलावा 250 एमएल का लिम्का कोल्ड ड्रिंक पैक भी बरामद किया गया। कुल मिलाकर करीब 350 एमएल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से पांच लोगों को हिरासत में लेकर थाना लाया गया, जहां ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच करने पर सभी के शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में बंगाली कॉलोनी निवासी अर्पण कुमार, भवानीपुर जिरात निवासी आलोक कुमार, नकछेद टोला निवासी राजेश कुमार जायसवाल, पुनौरा निवासी प्रेम कुमार तथा छतौनी निवासी मनोहर प्रसाद चौधरी शामिल हैं। इस मामले में छतौनी थाना में कांड संख्या 125/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक हेमंत कुमार सिंह, सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार, थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार, अपर थानाध्यक्ष श्रीकांत चौहान, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल देव वर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक मो. फिरोज, पुलिस अवर निरीक्षक अंकुल कुमार तथा छतौनी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

बैरिया में तटबंधों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ बेतिया: पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड अंतर्गत पूजहा क्षेत्र में नारायण प्रसाद ने मानसून पूर्व चल रहे तटबंध सुरक्षा एवं बांध सुदृढ़ीकरण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने घोड़हिया और सिंगाही इमली दल सहित विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ सुरक्षा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्षा ऋतु से पहले तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित करना अनिवार्य है, ताकि जान-माल के संभावित नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। इस अवसर पर विभाग के एसडीओ प्रदीप कुमार और कनीय अभियंता रामबाबू रजक सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि सभी सुरक्षात्मक उपाय समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरे कर लिए जाएं।

बंधक युवकों को छुड़ाने गई पुलिस पर हमला,मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ सहरसा। सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के हिंदूपुर गांव में पुलिस टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमले और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना उस वक्त हुई जब पुलिस एक घर में बंधक बनाए गए दो युवकों—भैरव कुमार और राहुल कुमार—को छुड़ाने पहुंची थी। ग्रामीणों का आरोप था कि ये युवक बिना अनुमति घर में घुसकर मोबाइल से तस्वीरें ले रहे थे, जिससे नाराज होकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया था।जब पुलिस ने युवकों को मुक्त कराने और स्थिति को समझाने का प्रयास किया, तो भीड़ उग्र हो गई। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। काफी मशक्कत के बाद पुलिस दोनों युवकों को सुरक्षित थाने लाने में सफल रही।थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पांच नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी निर्मल यादव उर्फ ढालों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जहरीली शराब और तस्करी पर लगे लगाम : चिराग पासवान

बीएनएम @ पटना। बिहार की राजनीति में शराबबंदी कानून एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने इस कानून की समीक्षा की मांग उठाकर नई बहस छेड़ दी है। पटना में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कानून हटाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मूल्यांकन की आवश्यकता महसूस करते हैं।चिराग पासवान के अनुसार, किसी भी कानून की सफलता उसके उद्देश्यों की प्राप्ति पर निर्भर करती है। उन्होंने जहरीली शराब से होने वाली मौतों और निरंतर जारी अवैध तस्करी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो यह क्रियान्वयन में खामियों का संकेत है। उन्होंने प्रवर्तन तंत्र को अधिक जवाबदेह और मजबूत बनाने पर जोर दिया।उल्लेखनीय है कि जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्ण शराबबंदी लागू की थी, तब लोजपा (रामविलास) ने विपक्ष में रहते हुए भी इसका समर्थन किया था। चिराग ने दोहराया कि उनकी पार्टी आज भी सामाजिक कल्याण के इस मूल उद्देश्य के साथ खड़ी है, लेकिन समय-समय पर इसकी समीक्षा जरूरी है। विधानसभा के बजट सत्र में भी इस मुद्दे की गूंज सुनाई दी है, जिससे आने वाले दिनों में इस पर सियासी सरगर्मी और बढ़ने के आसार हैं।

लापता लड़की का घर में मिला शव, जांच शुरू

बीएनएम @ बगहा: बगहा पुलिस जिला के चिउटाहा थाना क्षेत्र में एक 12 वर्षीय नाबालिग लड़की की संदिग्ध हत्या से सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी रविवार सुबह डायल-112 के माध्यम से मिली, जिसके बाद बगहा एसपी रामानंद कौशल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँचे।परिजनों के अनुसार, लड़की शनिवार रात 8 बजे से लापता थी। उन्हें लगा कि वह पास में ही कहीं होगी, लेकिन सुबह उसका शव घर के अंदर चादर से ढका हुआ मिला। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने बंद कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को कब्जे में लिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी सहित एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। एसपी ने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है और पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

नापुर कोर्ट फायरिंग का मुख्य शूटर मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना/मुजफ्फरपुर। दानापुर कोर्ट परिसर में हुई सनसनीखेज फायरिंग मामले के मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी नवनीत सिंह को बिहार एसटीएफ ने मुजफ्फरपुर के मोतीपुर से गिरफ्तार कर लिया है। लंबे समय से फरार चल रहा नवनीत पुलिस की 'मोस्ट वांटेड' सूची में शामिल था और लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि नवनीत मोतीपुर इलाके में छिपकर किसी बड़ी वारदात की साजिश रच रहा है। इसके बाद एक विशेष टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, नवनीत सिंह पटना के चर्चित 'बाप-बेटा गिरोह' का सक्रिय सदस्य और मुख्य शार्प शूटर है। यह गिरोह हत्या, रंगदारी और जमीन कब्जाने जैसे गंभीर मामलों के लिए कुख्यात है।दानापुर कोर्ट में हुई गोलीबारी ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे, जिसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। गिरफ्तारी के बाद उसे पूछताछ के लिए पटना लाया गया है, जहाँ पुलिस उसके नेटवर्क, हथियारों के स्रोत और उसे शरण देने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है। कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है।

गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ 'तिरहुत शिक्षक सम्मान समारोह–2026', उत्कृष्ट शिक्षकों को किया गया सम्मानित

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित "तिरहुत शिक्षक सम्मान समारोह–2026" रविवार को चाँदनी चौक स्थित प्रेम उत्सव परिसर में गरिमामय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में तिरहुत प्रमंडल सहित बिहार के विभिन्न जिलों से आए शिक्षकों, शिक्षाविदों और गणमान्य अतिथियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। समारोह का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर उनके कार्यों को समाज के सामने प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक, उत्कृष्ट शिक्षक, प्रधान शिक्षक समेत विभिन्न वर्गों के शिक्षकों को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों ने इसे अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया। इस अवसर पर मृत्युंजय कुमार (पटना उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता) भी समारोह में उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन के विभिन्न संघीय प्रतिनिधियों को डायरी और कैलेंडर भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे न्यायालय के माध्यम से हर स्तर पर संघर्ष करने को तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक प्रणय कुमार और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार ने कहा कि तिरहुत शिक्षक सम्मान समारोह का उद्देश्य शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को समाज के सामने लाना और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक परिवर्तनकारी हैं और उनके सम्मान से शिक्षा व्यवस्था को नई ऊर्जा मिलती है। प्रदेश अध्यक्ष (प्रधान शिक्षक प्रकोष्ठ) अशोक कुमार तथा प्रदेश संगठन महामंत्री शिशीर कुमार पाण्डेय ने कहा कि शिक्षकों का समर्पण ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। ऐसे आयोजन शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति समाज की सहभागिता को भी मजबूत करते हैं। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, अधिवक्ता, एनएमओपीएस और एटवा के प्रतिनिधि, बैंक प्रबंधक, भारतीय डाक विभाग के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे। प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि तिरहुत शिक्षक सम्मान समारोह केवल एक सम्मान कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों के संघर्ष, त्याग और योगदान को समाज के सामने स्थापित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी शिक्षकों के अधिकारों और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। समारोह में दिनेश सिंह, गजेन्द्र राय, चंदेश्वर प्रसाद, इश्तेखार, उमाशंकर प्रसाद सिंह, रामाकांत सिंह, विजय सिंह, अंजू कुमारी, अर्पणा सिंह, मनोज कुमार, रानी कुमारी, देवेंद्र प्रसाद सिंह, मो. दाउद अली, पप्पू कुमार पंकज, कुमार अभिषेक, अभिषेक कुमार, राजीव कुमार, रामपृत विद्यार्थी, केशव राम, अजय कुमार सिंह, विनोद पाण्डेय, टुनटुन कुमार, मुकेश गुप्ता, संजीव समीर, जमील अहमद विद्रोही और मृत्युंजय ठाकुर सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी शिक्षा उन्नयन के लिए ऐसे आयोजन जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

दो माह में 28 लोगों पर भ्रष्टाचार के केस, पिछले वर्षों से कई गुना अधिक

बीएनएम @ पटना

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की कार्रवाई तेज हो गई है। वर्ष 2026 के जनवरी और फरवरी माह में कुल 28 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए गए हैं। यह जानकारी जितेंद्र सिंह गंगवार ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई वर्ष 2024 और 2025 की तुलना में काफी अधिक है। जनवरी–फरवरी 2024 में जहां इतने कम मामलों में कार्रवाई हुई थी कि इस वर्ष की संख्या उससे 28 गुना अधिक है, वहीं 2025 की तुलना में यह चार गुना ज्यादा है। महानिदेशक ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त निगरानी रखी जा रही है और शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, विभाग लगातार ट्रैप केस और जांच के माध्यम से सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने का प्रयास कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में भी भ्रष्टाचार के मामलों में इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

पटना में हर 500 मीटर पर तैनात रहेगी फायर ब्रिगेड की टीम

400 से अधिक जगहों पर जलेगी होली

बीएनएम @ पटना

राजधानी पटना में सोमवार को 400 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन का आयोजन किया जाएगा, जिसे लेकर जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा और आपात स्थितियों से निपटने के लिए शहर के हर 500 मीटर की परिधि में फायर ब्रिगेड की टीमें तैनात रहेंगी। बिहार अग्निशमन सेवा के प्रभारी डीआईजी मनोज नट ने स्पष्ट किया है कि सभी कर्मी 'अलर्ट मोड' पर रहेंगे और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए पूरे शहर को चार जोन में बांटा गया है, जहाँ लगभग 500 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मुख्य कंट्रोल रूम से संवेदनशील इलाकों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी। प्रशासन ने आयोजकों को सुरक्षा के तौर पर हर दहन स्थल पर दो ड्रम पानी और बालू की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं।वहीं, पटना नगर निगम ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नागरिकों से विशेष अपील की है। निगम ने होलिका दहन में टायर, पॉलीथिन या कूड़ा न जलाने का आग्रह किया है, ताकि जहरीली गैसों और प्रदूषण पर लगाम लगाई जा सके। निगम कर्मियों को इन गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन की प्राथमिकता त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त माहौल में संपन्न कराने की है।

होली से पहले अरेराज में प्रशासन की छापेमारी, मिलावटी रंग-गुलाल व मिठाई की दुकानों की जांच

बीएनएम @ अरेराज

होली पर्व को देखते हुए अरेराज नगर पंचायत क्षेत्र में मिलावटी रंग, गुलाल और मिठाइयों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए सोमवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा और डीएसपी रवि कुमार के नेतृत्व में प्रशासन की संयुक्त टीम ने विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अंचल अधिकारी उदय नारायण सिंह, नगर पंचायत अरेराज के कार्यपालक पदाधिकारी निखिल कुमार तथा अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों की टीम ने नगर क्षेत्र की कई दुकानों में सघन जांच की। जांच के दौरान कुछ दुकानों पर वैध व्यापार लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया, वहीं खाद्य पदार्थों की बिक्री से संबंधित आवश्यक अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं किए गए। ऐसे मामलों में प्रशासन ने संबंधित दुकानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना व चालान किया तथा दुकानदारों को अविलंब लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि वे केवल मानक अनुरूप और प्रमाणित रंग, गुलाल तथा खाद्य सामग्री की ही बिक्री करें। यदि कहीं भी मिलावटी या प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री पाई गई तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आम लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए होली पर्व के दौरान इस तरह का निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

मध्य पूर्व में युद्ध की स्थिति का बिहार पर भी पड़ेगा असर : जदयू प्रवक्ता

बीएनएम @ पटना

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमलों में मौत की खबर ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। इस संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर बिहार की सत्ताधारी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने इसे मानवता और वैश्विक शांति के लिए एक गंभीर संकट बताया है।नीरज कुमार ने कहा कि जिस प्रकार खामेनेई और उनके सहयोगियों की हत्या हुई, वह अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब युद्ध जैसी स्थिति में बदल गया है। जदयू प्रवक्ता के अनुसार, इस पूरे प्रकरण को किसी राजनीतिक पक्ष-विपक्ष के बजाय मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।उन्होंने विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में चिंता जताते हुए कहा कि खाड़ी देशों में राज्य के बड़ी संख्या में लोग कार्यरत हैं, इसलिए वहां की अस्थिरता का सीधा असर बिहार के परिवारों पर भी पड़ सकता है। नीरज कुमार ने विश्व के शांतिप्रिय देशों से अपील की कि वे एकजुट होकर हालात सामान्य करने की पहल करें। साथ ही, उन्होंने आंतरिक मुद्दों पर विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जनहित के प्रति गंभीर न रहने वाले लोग ही अनावश्यक विवाद पैदा करते हैं।

कुष्ठ मुक्त भारत के लिए जुटे दुनियाभर के विशेषज्ञ

एम्स पटना में 33वां राष्ट्रीय कुष्ठ सम्मेलन संपन्न

बीएनएम @ पटना

कुष्ठ रोग उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एम्स पटना के त्वचा रोग विभाग ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ लेप्रोलॉजिस्ट्स के सहयोग से LEPCON 2026 के 33वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश-विदेश के 300 से अधिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया, जिससे यह शोध और नवाचार का एक बड़ा केंद्र बन गया| सम्मेलन की शुरुआत 27 फरवरी को प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला से हुई, जहाँ युवा डॉक्टरों को आधुनिक जांच तकनीकों और कुष्ठ उन्मूलन की जमीनी चुनौतियों का प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य सम्मेलन के दौरान 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें दवा प्रतिरोध (Drug Resistance), विकलांगता रोकथाम और नई जनस्वास्थ्य रणनीतियों पर गहन मंथन हुआ। पीजीआईएमईआर (PGIMER), आईसीएमआर (ICMR) और द लेप्रोसी मिशन ट्रस्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए, जिनमें डॉ. किरण कटोच का संबोधन प्रमुख रहा।उद्घाटन समारोह की गरिमा बढ़ाते हुए पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण चिकित्सा पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. स्वेतलिना प्रधान के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन ने 'कुष्ठ-मुक्त भारत' के संकल्प को और मजबूती प्रदान की।

ढलाई के दौरान ही जमींदोज हुआ 2.89 करोड़ का पुल

गुणवत्ता पर उठे सवाल

बीएनएम @ गोपालगंज

बिहार के गोपालगंज जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और भ्रष्टाचार पर एक बार फिर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। सिधवलिया प्रखंड के गंगवा गांव में घोघारी नदी पर बन रहा करीब 2.89 करोड़ रुपये की लागत वाला आरसीसी पुल ढलाई के दौरान ही भरभराकर गिर पड़ा। लगभग 29 मीटर लंबे इस पुल का एक हिस्सा कंक्रीट डालते समय अचानक धंस गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई मजदूर हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ढलाई के वक्त तेज आवाज के साथ स्लैब नीचे बैठ गया। स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण में घटिया सामग्री और कमजोर सरिया के इस्तेमाल का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और निगरानी तंत्र की विफलता के कारण जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा पानी में बह रहा है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और इंजीनियरों की टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया। फिलहाल निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है और तकनीकी जांच के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जवाबदेही तय की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सिस्टम की कार्यशैली पर तीखी बहस छिड़ गई है।

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम-कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं। ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम- कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो। चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है।

टेलीफोन के जनक अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

संजय गोस्वामी

टेलीफोन और मोबाईल का इस्तेमाल करते वक्त हम कभी नहीं सोचते कि ये छोटी सी युक्ति या यंत्र इतनी जटिल है और इसके नेटवर्क का प्रबन्धन करना एक वास्तविक कुरूक्षेत्र के मैदान के समान है। एक व्यवस्थित सोच के कारण , आज टेलीफोन प्रणाली एक अत्यन्त विकसित किन्तु सरल उत्पादों की गिनती में शामिल है। किसी प्रोसेस को समझने के लिये हमें उसको आधार या मूल या जड के साथ उसको जोड कर समझना होता है। एक वृक्ष की ताकत उसकी शाखाओं से नहीं अपितु उसकी जडों से होती है, ठीक इसी तरह फ़ोन की तीव्रता और अटूट कनेक्शन उसके जमीनी नेटवर्क से होता है। टेलीफोन के आगमन से पहले टेलीग्राफ प्रणाली प्रचलित थी और ये रिसर्च का विषय थी। यह मुख्यतः पोस्ट ओफिसिस , रेलवे विभाग , सरकारी ओफिसिस , कुछ अखबार के ओफिसिस और धनी लोग के उपयोग में ही आती थी। ग्राहम बेल का अपने एसिसटेंट पार्टनर को पहला टेलीफोन काल था – " मिस्टर वाटसन कम हियर, आई वांट टू सी यू "। ग्राहम बेल ने सफलतापूर्वक अपने आविष्कार को एक व्यावसायिक उत्पाद में बदला। वो 'बेल' कम्पनी आज " ए टी एंड टी " के नाम से जानी जाती है। ग्राहम बेल बहरों को अध्यापन का कार्य भी करता था। उसके पिता जी ने "दृश्यमान स्पीच" का आविष्कार किया था। बेल इस तरह के यंत्रों में इच्छुक था , जो बहरे व्यक्ति को एक दृश्यमान स्पीच से सहायता कर सके। उसके बाद बेल ने अपना फोकस फोनोग्राफ बनाने पर लगाया। ग्राहम बेल ने अपने डिजाईन में प्रकृति से समानता के सिद्धांत का पालन करने का संदेश दिया है। टेलीफोन के जनक (आविष्कारक) अलेक्जेंडर ग्राहम बेल हैं। उन्होंने 7 मार्च, 1876 को टेलीफोन का पहला अमेरिकी पेटेंट प्राप्त किया और 10 मार्च, 1876 को अपने सहायक थॉमस वाटसन को पहली टेलीफोन कॉल की। उनका जन्म 1847 में स्कॉटलैंड में हुआ था और वे ध्वनि विशेषज्ञ थे ग्राहम ने ट्रांसमीटिंग यंत्र को मनुष्य के कान के समान बनाने का प्रयास किया अलेक्जेंडर ग्राहम बेल का जन्म 3 मार्च, 1847 को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हुआ था। उनका जन्मस्थान एडिनबर्ग में साउथ शार्लेट स्ट्रीट पर स्थित पारिवारिक घर था।। दूरसंचार के इतिहास के आधार पर, हालांकि कई आविष्कारकों ने ध्वनि प्रसारण के विकास में योगदान दिया, लेकिन अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को पहले व्यावहारिक टेलीफोन का आविष्कार करने का श्रेय दिया जाता है और उन्हें 7 मार्च, 1876 को इस उपकरण के लिए पहला अमेरिकी पेटेंट प्रदान किया गया था। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल एक इन्वेंटर, साइंटिस्ट और बहरे लोगों के टीचर थे। कनाडा और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बिताए अपने जीवन के दौरान, उनकी मुख्य उपलब्धियाँ टेलीफ़ोन का इन्वेंशन (1876 में पेटेंट हुआ) और फ़ोनोग्राफ़ में सुधार (1886 में पेटेंट हुआ) थीं। अलेक्जेंडर 11 साल की उम्र तक ग्राहम नाम नहीं जोड़ा गया था अलेक्जेंडर मेलविल बेल और एलिज़ा ग्रेस साइमंड्स के बेटे थे। उनकी माँ लगभग बहरी थीं, और उनके पिता बहरे लोगों को बोलना सिखाते थे, जिसने बाद में बहरे लोगों के टीचर के तौर पर उनके करियर के चुनाव पर असर डाला। 11 साल की उम्र में, उन्होंने एडिनबर्ग के रॉयल हाई स्कूल में एडमिशन लिया, लेकिन ज़रूरी कोर्स पूरा नहीं किया और 15 साल की उम्र में बिना ग्रेजुएट हुए स्कूल छोड़ दिया। 1865 में, परिवार लंदन चला गया। अलेक्जेंडर ने जून 1868 में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन का एंट्रेंस एग्जाम पास किया और पतझड़ में वहां एडमिशन लिया। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की, क्योंकि 1870 में बेल परिवार फिर से कनाडा चला गया, इस बार उनके छोटे भाई एडवर्ड की 1867 में और बड़े भाई मेलविल की 1870 में टीबी से मौत के बाद। परिवार ब्रैंटफोर्ड, ओंटारियो में बस गया, लेकिन अप्रैल 1871 में अलेक्जेंडर बोस्टन चले गए, जहां उन्होंने बोस्टन स्कूल फॉर द डेफ में पढ़ाया। उन्होंने नॉर्थम्प्टन, मैसाचुसेट्स में क्लार्क स्कूल फॉर द डेफ और हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट में अमेरिकन स्कूल फॉर द डेफ में भी पढ़ाया।बेल के स्टूडेंट्स में से एक मेबल हबर्ड थीं, जो क्लार्क स्कूल के फाउंडर गार्डिनर ग्रीन हबर्ड की बेटी थीं। मेबल पांच साल की उम्र में स्कार्लेट फीवर के एक जानलेवा दौरे की वजह से बहरी हो गई थीं। बेल ने 1873 में उनके साथ काम करना शुरू किया, जब वह 15 साल के थे। उम्र में 10 साल का अंतर होने के बावजूद, उन्हें प्यार हो गया और 11 जुलाई, 1877 को उन्होंने शादी कर ली। उनके चार बच्चे थेः एल्सी (1878–1964), मैरियन (1880–1962), और दो बेटे जिनकी बचपन में ही मौत हो गई थी।थॉमस ए. वॉटसन टेलीफ़ोन के आविष्कार के बारे में बताते हैं। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल के असिस्टेंट, थॉमस ए. वॉटसन, टेलीफ़ोन के जन्म के बारे में बात करते हैं, जिसमें पहले बोले गए शब्द भी शामिल हैं। एक टीचर के तौर पर काम करते हुए, बेल ने एक ही तार पर एक साथ कई टेलीग्राफ़ मैसेज भेजने के तरीकों पर भी रिसर्च करना शुरू किया, जो उस समय टेलीग्राफ़ इनोवेशन का एक बड़ा फोकस था और इसी वजह से आखिरकार बेल ने टेलीफ़ोन का आविष्कार किया। 1868 में, जोसेफ़ स्टर्न्स ने डुप्लेक्स का आविष्कार किया, यह एक ऐसा सिस्टम था जो एक ही तार पर एक साथ दो मैसेज भेजता था। इंडस्ट्री में सबसे बड़ी कंपनी, वेस्टर्न यूनियन टेलीग्राफ कंपनी ने स्टर्न्स के डुप्लेक्स के राइट्स ले लिए और मशहूर इन्वेंटर थॉमस एडिसन को हायर किया ताकि वे ज़्यादा से ज़्यादा मल्टीप्लेक्स ट्रांसमिशन मेथड बना सकें ताकि कॉम्पिटिटर उनका इस्तेमाल न कर सकें। एडिसन का काम क्वाड्रप्लेक्स में खत्म हुआ, जो एक ही तार पर एक साथ चार टेलीग्राफ मैसेज भेजने का सिस्टम था। फिर इन्वेंटर ऐसे मेथड ढूंढने लगे जिनसे चार से ज़्यादा मैसेज भेजे जा सकें; कुछ, जैसे बेल और उनके बड़े कॉम्पिटिटर एलिशा ग्रे ने ऐसे डिज़ाइन बनाए जो एक टेलीग्राफ लाइन को दस या उससे ज़्यादा चैनल में बांट सकें। इन तथाकथित हार्मोनिक टेलीग्राफ में रीड या ट्यूनिंग फोर्क का इस्तेमाल होता था जो खास अकूस्टिक फ्रीक्वेंसी पर रिस्पॉन्ड करते थे। वे लैब में तो ठीक काम करते थे लेकिन सर्विस में भरोसेमंद नहीं साबित हुए। उन्होंने 14 फ़रवरी, 1876 को अमेरिकी पेटेंट कार्यालय में अपने टेलीफ़ोन का पेटेंट दाखिल किया, अपने प्रतिद्वंद्वी एलीशा ग्रे द्वारा इसी तरह के उपकरण का पेटेंट कराने के इरादे का बयान दाखिल करने से ठीक दो घंटे पहले। गार्डिनर हबर्ड के नेतृत्व में निवेशकों के एक समूह ने वेस्टर्न यूनियन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक संघीय लाइसेंस प्राप्त टेलीग्राफ़ कंपनी बनाने की योजना बनाई थी, जिसके तहत वे डाक सेवा से कम लागत पर टेलीग्राम भेजने का अनुबंध करना चाहते थे। हबर्ड को हार्मोनिक टेलीग्राफ़ में अपार संभावनाएं दिखीं और उन्होंने बेल के प्रयोगों का समर्थन किया। हालांकि, बेल की रुचि मानव आवाज को प्रसारित करने में अधिक थी। अंततः, उन्होंने और हबर्ड ने एक समझौता किया जिसके तहत बेल अपना अधिकांश समय हार्मोनिक टेलीग्राफ़ पर लगाएंगे, लेकिन अपने टेलीफ़ोन के विचार को विकसित करना जारी रखेंगे। हार्मोनिक टेलीग्राफ़, जो संगीतमय स्वरों को प्रसारित करता था, के साथ बेल और ग्रे दोनों ने मानव आवाज को प्रसारित करने की दिशा में एक छोटा वैचारिक कदम उठाया। बेल ने 14 फ़रवरी, 1876 को ध्वनि संचारित करने की अपनी विधि का वर्णन करते हुए एक पेटेंट दाखिल किया, ग्रे द्वारा इसी तरह की विधि के लिए एक चेतावनी (अवधारणा का बयान) दाखिल करने से ठीक कुछ घंटे पहले। 7 मार्च 1876 को, पेटेंट कार्यालय ने बेल को वह पेटेंट प्रदान किया जिसे इतिहास के सबसे मूल्यवान पेटेंटों में से एक माना जाता है। यह अत्यंत संभव है कि बेल और ग्रे दोनों ने हार्मोनिक टेलीग्राफी पर अपने काम के परिणामस्वरूप अलग-अलग अपने टेलीफोनों की अवधारणा विकसित की हो। हालांकि, इन दोनों के बीच आविष्कार की प्राथमिकता का प्रश्न शुरू से ही विवादित रहा है।अलेक्जेंडर ग्राहम बेल और न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच टेलीफोन कनेक्शन। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, जिन्होंने 1876 में टेलीफोन का पेटेंट कराया था, 18 अक्टूबर, 1892 को न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच 1,520 km (944 mi) लंबे टेलीफोन कनेक्शन का उद्घाटन की। पेटेंट होने के बावजूद, बेल के पास पूरी तरह से काम करने वाला कोई इंस्ट्रूमेंट नहीं था।

युद्ध लंबा खिंचा तो तेल व गैस के कीमतों में होगी वैश्विक बढ़ोत्तरी

अमरेश द्विवेदी

ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में होर्मुज जल डमरूमध्य क्षेत्र एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री रास्ता दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में यहां मामूली रुकावट भी युद्ध के परिणाम और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकती है। होर्मुज जल क्षेत्र दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में गिना जाता है। अपने सबसे पतले हिस्से में यह लगभग 34 किलोमीटर चौड़ा है और इसी रास्ते से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है जो वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का करीब 20–25% यहीं से होता है। यह दुनिया के एलएनजी व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग पर निर्भर है और कुल वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 11% इस रास्ते से गुजरता है। इसके साथ ही एशिया के सबसे बड़े आयातक- चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग पर विशेष रूप से निर्भर हैं। होर्मुज क्षेत्र सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं।इस क्षेत्र का उत्तरी तट ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी किनारा ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप से जुड़ा है। ईरान उत्तरी प्रवेश द्वार और कई रणनीतिक द्वीपों पर नियंत्रण रखता है, जिससे उसे समुद्री गतिविधियों पर प्रभाव डालने की सामरिक क्षमता मिलती है। साल 1980–88 के ईरान-इराक युद्ध के दौरान "टैंकर युद्ध" ने इस मार्ग की संवेदनशीलता को उजागर किया था। तेल टैंकरों पर हमलों और समुद्री माइंस बिछाए जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में घबराहट फैल गई थी और विदेशी नौसैनिक हस्तक्षेप बढ़ा था। हाल के वर्षों में भी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय तनाव के दौरान जहाजों की जब्ती और चेतावनियों ने शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम को बढ़ा दिया हैं। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है तो वैश्विकस्तर पर इसके कई तात्कालिक प्रभाव दिखेंगे। जैसे कि तेल और गैस की कीमतों में उछाल। सप्लाई चेन में अस्थिरता। यहां जहाजों के रूट बदलने से देरी और बढ़ी हुई लागत वैश्विक व्यापार को प्रभावित करेंगी। आर्थिक दबाव, जो ऊर्जा आयातक देशों में महंगाई और औद्योगिक लागत बढ़ सकती है। इसके साथ ही सैन्य विस्तार का खतरा बना रहेगा जिससे समुद्री मार्ग की सुरक्षा के नाम पर बाहरी शक्तियों की मौजूदगी बढ़ जाएंगी और इससे टकराव और गहरा हो जाएगा। इसके अलावा कुछ पाइपलाइन विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे होर्मुज से गुजरने वाले समुद्री तेल और गैस सप्लाई के लिए विकल्प के रूप में नहीं देख सकते हैं। इसलिए यह गलियारा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अपरिहार्य बना हुआ है। होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता या ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं। साथ ही यह भू-राजनीतितक शक्ति प्रदर्शन का केंद्र भी है। युद्ध की स्थिति में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस क्षेत्र में ईरान की नौसैनिक रणनीति होर्मुज को अपने निरोधक सिद्धांत का मुख्य हिस्सा मानती है। ईरान ने इस समुद्री मार्ग पर तेज गश्ती नौकाएं, एंटी-शिप मिसाइलें, समुद्री माइंस और ड्रोन और तटीय रडार सिस्टम लगा रखे हैं। इन साधनों के जरिए ईरान पारंपरिक नौसैनिक ताकतों को चुनौती दे सकता है। यह असिमेट्रिक वॉरफेयर यानी असममित युद्ध मॉडल को दिखाता है जहां बड़े युद्धपोतों के खिलाफ छोटे लेकिन तेज और घातक हमलों पर आधारित है। दूसरी तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से खाड़ी क्षेत्र में नौसैनिक मौजूदगी बनाए हुए है। अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बहरीन में तैनात है और उसका मुख्य उद्देश्य समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन तनाव के बीच यदि गलियारे पर दबाव बढ़ता है तो मुमकिन है कि अमेरिका यहां अंतरराष्ट्रीय एस्कॉर्ट मिशन भी शुरू हो सकते हैं। इसके साथ ही मल्टीनेशनल टास्क फोर्स का गठन, ड्रोन और निगरानी गतिविधियां तेज़ होने के साथ ही इस टकराव का दायरा क्षेत्रीय से वैश्विक बन सकता है। होर्मुज में बाधा का असर केवल तेल तक सीमित नहीं रहता। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक उछाल, एलएनजी आपूर्ति में कमी से यूरोप और एशिया में ऊर्जा संकट, शेयर बाजारों में गिरावट, महंगाई दर में वृद्धि, शिपिंग और बीमा लागत में भारी बढ़ोतरी और ऊर्जा कीमतें बढ़ने से विकासशील देशों पर सबसे अधिक दबाव पड़ेगा। इन सबके बीच एशियाई देश चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर काफी निर्भर हैं। चिंता का विषय यह है कि इससे यदि आपूर्ति बाधित होती है तो रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। वैकल्पिक स्रोत तलाशना होगा, साथ ही ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दीर्घकालिक नीतिगत बदलाव करने पड़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय स्ट्रेट माना जाता है। वैसे तो किसी भी देश को इसे पूरी तरह बंद करने का अधिकार नहीं है लेकिन वर्तमान हालात पर नजर डालें तो सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, जहाजों की तलाशी या रोक-टोक बढ़ सकती है तथा गलत आकलन से बड़ा सैन्य टकराव हो सकता है।

अमेरिका-इज़रायल के कथित संयुक्त ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/रोरिंग लायन और ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु

एडवोकेट किशन सनमुखदास

मध्य पूर्व में विस्फोटक मोड़- ईरान पर अमेरिका- इजरायल के संयुक्त हमले,खामेनेई की मृत्यु और वैश्विक भू-राजनीति का नया संकट पश्चिम एशिया में शक्ति-संतुलन अत्यंत नाजुक है,एक उच्च- प्रोफ़ाइल लक्षित कार्रवाई पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकती है, आने वाले सप्ताह निर्णायक होंगे - वैश्विक स्तरपर रविवार 1 मार्च 2026 को मध्य- पूर्व और विश्व राजनीति में जिस खबर ने भू-राजनीतिक हलचल मचा दी, वह थी अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर संयुक्त हवाई हमले, जिन्हें 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' (शेर की दहाड़) नाम दिया गया,उसने वैश्विक शक्ति संतुलन को झकझोर दिया। इन हमलों में ईरान के सैन्य अड्डों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु की खबर ने पूरे विश्व को स्तब्ध कर दिया। यह परिदृश्य तथ्यात्मक रूप से स्थापित हों गया है,यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि एक युगांतकारी राजनीतिक परिवर्तन होगा।इतिहास कभी-कभी ऐसे मोड़ों पर आकर ठहर जाता है जहाँ घटनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं रहतीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आधिकारिक पुष्टि, प्रतिपुष्टि और दावों- प्रतिदावों के बीच यह घटना केवल एक व्यक्ति के निधन का प्रश्न नहीं है;यह पश्चिम एशिया की शक्ति-संतुलन संरचना, इस्लामी जगत की राजनीति,ऊर्जा बाज़ार, समुद्री व्यापार मार्गों,परमाणु प्रसार और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालने वाली संभावित भू-राजनीतिक भूकंप रेखा है। ईरान के सर्वोच्च नेता की भूमिका केवल धार्मिक या प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि राज्य की सामरिक- राजनीतिक दिशा, क्षेत्रीय नेटवर्क और सुरक्षा सिद्धांत के केंद्र में रही है। इसलिए इस घटना के प्रभावों का आकलन बहु-स्तरीय दृष्टिकोण से करना आवश्यक है।सबसे पहले, पश्चिम एशिया के सामरिक परिदृश्य को समझना होगा। इज़रायल और संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से ईरान की क्षेत्रीय नीति,विशेषकर लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में उसके प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए चुनौती मानते रहे हैं। यदि कथित ऑपरेशन वास्तव में हुआ और उसके परिणामस्वरूप ईरान के सर्वोच्च नेता की मृत्यु हुई,तो यह केवल टारगेटेड स्ट्राइक नहीं बल्कि प्रतिरोध-धुरी के वैचारिक और संगठनात्मक केंद्र पर सीधा प्रहार माना जाएगा। इसका तत्काल प्रभाव ईरान के भीतर राजनीतिक स्थिरता और सत्ता-हस्तांतरण प्रक्रिया पर पड़ेगा। ईरान की संवैधानिक व्यवस्था के तहत विशेषज्ञों की परिषद नए सर्वोच्च नेता का चयन करती है, परंतु संक्रमण काल में अस्थिरता शक्ति-संघर्ष और सुरक्षा बलों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। साथियों बात अगर हम अरब देशों और खाड़ी क्षेत्र की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो स्वाभाविक रूप से सतर्क और संतुलित रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और क़तर जैसे देश पिछले कुछ वर्षों में ईरान के साथ संवाद और तनाव-प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा रहे थे। वे प्रत्यक्ष युद्ध या व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष से बचना चाहते हैं क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था ऊर्जा निर्यात, वैश्विक निवेश और स्थिरता पर निर्भर है। यदि ईरान में सत्ता- संतुलन अस्थिर होता है या प्रतिशोधी हमलों की श्रृंखला शुरू होती है,तो खाड़ी के तेल-गैस प्रतिष्ठान, समुद्री मार्ग और ड्रोन/मिसाइल हमलों के खतरे में आ सकते हैं। 2019 में सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर हमलों की स्मृति अभी ताज़ा है; इसलिए खाड़ी देश खुली प्रतिक्रिया देने के बजाय बैक-चैनल कूटनीति को प्राथमिकता देंगे।इस्लामी जगत की व्यापक प्रतिक्रिया भी बहुस्तरीय होगी। इस्लामी सहयोग संगठन के सदस्य देशों के बीच ईरान को लेकर मतभेद हैं,कुछ देश उसे शिया नेतृत्व के रूप में देखते हैं,कुछ क्षेत्रीय शक्ति-प्रतिस्पर्धी के रूप में। फिर भी किसी संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता की लक्षित हत्या का आरोप अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के प्रश्न उठाता है। ओआईसी के मंच पर कड़ी शब्दावली के प्रस्ताव आ सकते हैं,परंतु सामूहिक सैन्यप्रतिक्रिया की संभावना कम है। अधिक संभावना यह है कि सदस्य देश शांति-आह्वान, संयम और संयुक्त राष्ट्र में बहस की दिशा में आगे बढ़ें। साथियों बात अगर हम भारत के लिए इस स्थिति को समझने की करें तो,यह संकट केवलआर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक और मानवीय आयाम भी रखता है। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं।संयुक्त अरब अमीरात, कतर, ओमान और सऊदी अरब में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं।यही कारण है कि भारत सरकार ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्कता बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। यह कदम बताता है कि स्थिति केवल सैन्य नहीं बल्कि नागरिक सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुकी है। यदि संघर्ष बढ़ता है, तो भारत को ऑपरेशन राहत जैसे निकासी अभियानों क़ी पुनरावृत्ति करनी पड़ सकती है। तो वहीं शिक्षा क्षेत्र पर भी इस संकट का प्रभाव दिखाई दे रहा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) द्वारा मध्य पूर्व के कई देशों में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएँ स्थगित करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय अस्थिरता अब नागरिक जीवन के मूल ढांचे को प्रभावित कर रही है। यूएई, कतर और ओमान में हजारों भारतीय छात्र सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में पढ़ते हैं। परीक्षा स्थगन केवल शैक्षणिक निर्णय नहीं, बल्कि सुरक्षा प्राथमिकता का संकेत है। यह बताता है कि संघर्ष का प्रभाव सीमाओं से परेसामाजिक ताने-बाने तक पहुँच चुका है।

मेष राशिः आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन उलझन में रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को ख़ुशी होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे। काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से प्रसन्नता होगी। आज बाहर के खाने को जहां तक हो सके अवॉयड करें।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। कारोबार में आज सेल में बढ़ोतरी होगी जिससे अच्छी खासी इनकम होगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे आपको अच्छा लगेगा। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी। आज बेटी के परीक्षा के अच्छे रिजल्ट से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आपकी उलझने कम होंगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रान्सफर की परेशानियाँ ख़त्म होंगी। आप जहां चाहते हैं ट्रान्सफर वहीं होगा। आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में कठोरता आ सकती है दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाएं रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के नवीन स्रोत मिलेंगे। दांपत्य जीवन के लिए थोड़ा समय निकालेंगे जिससे रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। आज प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज कोई काम आपको सोच-विचार कर करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में संतोष की वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़े कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमें उन्नति हासिल करेंगे। आज आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके सोचे हुए कार्य एक-एक करके पूरे होते जायेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपके कारोबार में सुखद बदलाव आयेगा, आय में बढ़ोतरी होगी।

मीन राशिःआज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आज आप इसकी तैयारी में व्यस्त रहेंगे। कविता लिखने के शौक़ीन लोगों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियाँ आएंगी। सरकारी विभाग के कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी हो सकती है। जल्द अच्छी खबर मिलेगी। आज आपका स्वास्थ फिट रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

खाड़ी में संघर्ष से आईपीएल के लिए आने वाले खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना तय

एजेंसी, मुम्बई

मध्यपूर्व में शुरु हुई जंग का प्रभाव खेल पर भी पड़ रहा है। जहां कई देशों के खिलाड़ी खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। वहीं आईपीएल के लिए आने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भी इससे विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका है। आईपीएल के करीब आते ही फ्रेंचाइजियां अभ्यास के तौर पर लगने वाले प्री-सीजन कैंप और रणनीतियों को बनाने का प्रयास कर रही थीं कि मध्य-पूर्व में शुरु हुए इस संघर्ष से उड़ानें बाधित होने के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका कारण है कि अब खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का आना भी फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है। आईपीएल सत्र शुरू होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में सभी टीमें अपने-अपने प्री-सीजन कैंप आयोजित कर रही हैं पर विदेशी खिलाड़ियों के

नहीं आ पाने ने तैयारियों में बाधा आई है। इसका कारण है कि इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से अधिकतर अधिकतर पर दुबई से ही भारत पहुंचते हैं। अब खाड़ी क्षेत्र में उड़ाने बाधित होने से इसमें रुकावट आई है। इसी कारण से कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हुई हैं। मध्य-पूर्व में हालात कब तक सुधरेंगे ये अभी कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और इज़राइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी कतर, यूएई, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किये हैं। इससे एयरस्पेस प्रभावित हुआ है। अभी तक विदेशी खिलाड़ियों ने आईपीएल के लिए देर से आने की घोषणा नहीं की है पर सभी आईपीएल फ्रेंचाइजियां स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। कई विदेशी खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ खाड़ी देशों जरिये ही भारत में आते हैं और ऐसे में अभी इनका आना संभव नहीं है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि मध्य-पूर्व संकट से विश्वकप के आयोजन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, टीम प्रबंधन, मैच अधिकारी, प्रसारक टीम आदि खाड़ी देशों के जरिये आते हैं और उसमे बाधा आयेगी। ऐसे में आईसीसी की ट्रैवल और लॉजिस्टिक्स टीम वैकल्पिक मार्गों की तलाश में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के साथ मिलकर काम कर रही है। यूरोप, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के हब पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं सुरक्षा सलाहकार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में भी बने हुए हैं स्थिति के अनुसार ही एडवाइजरी जारी की जा रही है। आईपीएल का आधिकारिक कार्यक्रम अगले सप्ताह जारी किया जा सकता है तब तक फ्रेंचाइजियां उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ तैयारी जारी रखेंगी वे उम्मीद करेंगी कि अंतरराष्ट्रीय हालात जल्द सामान्य हों जिससे कि लीग बिना किसी बाधा के शुरू हो सके। इसी बीच चेन्नई सुपर किंग्स (ईएसएस) ने कोई बदलाव नहीं करते हुए भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही अपनी तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रखने का फैसला किया है। फ्रेंचाइज़ी का प्री-सीजन कैंप 1 मार्च से चेन्नई स्थित हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में शुरू हो रहा है सीईओ कासी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि वरिष्ठ खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी भी इस कैंप का हिस्सा होंगे उपलब्ध सभी भारतीय खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे। शुरुआती चरण में लगभग 15 घरेलू खिलाड़ी रिपोर्ट करेंगे। वहीं जो खिलाड़ी टीम इंडिया में शामिल हैं वह 8 मार्च को टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च के आसपास होने की संभावना है।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे। हैं।गंभीर ने कहा, लोग उसके स्कोर और बाकी चीजें देखते रहेंगे परन्तु टीम में वापसी करते हुए 23 और 24 की उस तरह की उन पारियों से उसे आत्मविश्वास मिला होगा। सभी जानते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना किसी के लिए भी आसान नहीं रहा था।

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है। शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें।' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025–26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।'शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा लक्ष्य फिट रहना है और हर समय भारतीय टीम के लिए उपलब्ध रहना है।'

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये। उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा। ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये। पुजारा ने बल्लेबाज फखर ज़मान टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले साहिबज़ादा फरहान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाक की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा पर वर्तमान में टीम काफी रक्षात्मक है।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

» घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

एजेंसी, कोलकाता

संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद

क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है। इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं। सैमसन ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दैरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।"

व्यापार

मिडिल ईस्ट में तनाव का शिकार हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले ही दिन बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भी घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हुआ था। जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण बने दबाव की वजह से बाजार खुलने पर पहले सेकंड में ही बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में 7.80 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। हालांकि, बाद में खरीदारों ने भी लिवाली का जोर दिखाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल हुए। इस रिकवरी के बावजूद शेयर बाजार के निवेशकों के 6.55 लाख करोड़ रुपये दिन भर के कारोबार में स्वाहा हो गए। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा ईरान के जवाबी हमले की वजह से दुनिया भर के शेयर बाजार में आज गिरावट का रुख बना रहा। कमजोर ग्लोबल संकेत और वैश्विक दबाव के कारण भारतीय शेयर बाजार ने भी आज के कारोबार की जबरदस्त गिरावट के साथ शुरुआत की। हालांकि, खरीदारों ने लिवाली का दम दिखा कर बाजार की गिरावट को कम करने की काफी हद तक कोशिश की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.29 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस, मेटल और हेल्थ केयर को छोड़ कर बाकी सभी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। खासकर मिडिल ईस्ट देशों में कारोबार करने वाली कंपनियों के शेयरों में आज जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.58 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन

आज के कारोबार के बाद घट कर 456.95 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.55 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,528 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 824 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,560 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,975 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 474 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,501 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से तीन शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से आठ शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 2,743.46 अंक की जबरदस्त कमजोरी के साथ 78,543.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 20 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से दो हजार अंक से अधिक की रिकवरी कर 654.64 अंक की गिरावट के साथ 80,632.55 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। दोपहर दो बजे तक बाजार पर मंदड़ियों का दबाव बना रहा।

देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में घटकर 4.8 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। देश की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर जनवरी में घटकर तीन महीने के निचले स्तर 4.8 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर में नरमी आई है। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 4.8 फीसदी रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में यह 5.2 फीसदी की दर से बढ़ा था। इससे पहले अक्टूबर, 2025 में वृद्धि दर 0.5 फीसदी रही थी, जो हाल के महीनों का सबसे निचला स्तर था, जबकि नवंबर, 2025 में आईआईपी की वृद्धि दर 7.2

फीसदी दर्ज की गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में दिसंबर, 2025 के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के आंकड़े को संशोधित कर आठ फीसदी कर दिया है। इससे पहले जनवरी, 2026 में जारी अस्थायी अनुमान में इसे 7.8 फीसदी बताया गया था। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में घटकर 4.8 फीसदी रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 5.8 फीसदी रही थी। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान खनन क्षेत्र की वृद्धि भी मामूली घटकर 4.3 फीसदी रह गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में 4.4 फीसदी थी। हालांकि, जनवरी के दौरान बिजली उत्पादन सुधरकर 5.1 फीसदी हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह वृद्धि 2.4 फीसदी थी। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि चार फीसदी रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 4.2 फीसदी थी।

मध्य पूर्व में सैन्य हमलों के बाद तनाव से कच्चे तेल के दाम में 7.60 फीसदी की उछाल

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में युद्ध तेज होने के बाद कच्चे तेल की कीमत में 7 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। क्रूड आयल के भाव में ये उछाल अमेरिका-इजरायल के ईरान पर किए गए सैन्य हमलों के बाद आया है। वैश्विक बाजार में सोमवार को ब्रेंट क्रूट तेल की कीमत 7.60 फीसदी बढ़कर 78.41 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का वायदा भाव 7.19 फीसदी बढ़कर 71.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इसी बीच पेट्रोलियम निर्यातक देशों के प्रमुख संगठन ओपेक ने अगले महीने से कच्चे तेल के उत्पादन बढ़ाने पर अपनी सहमति जताई है। सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख सदस्य प्रतिदिन 2 लाख 6 हजार बैरल अतिरिक्त उत्पादन करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि मध्य पूर्व यानी पश्चिम एशिया में

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक वायदा बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी बनी हुई है। इस क्षेत्र में तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका से कारोबारियों ने खरीदारी बढ़ा दी है। एक रिपोर्टों के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान जारी रहता है, तो ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती है। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की स्थिति में कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक जा सकते हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय तक तनाव बने रहने से परिवहन और समुद्री बीमा लागत बढ़ सकती है। खाड़ी क्षेत्र के समुद्री मार्ग बाधित हो सकते हैं, जिससे व्यापार संतुलन पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 4,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,73,090 रुपये से लेकर 1,73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,58,660 रुपये से लेकर 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,73,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,58,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,58,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,58,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 फीसदी बरकरार रखी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कर्मचारियों के पीएफ जमा पर ब्याज दर 8.25 फीसदी बरकरार रखी है। इस फैसले से देश के लगभग 31 करोड़ से ज्यादा सदस्यों को फायदा मिलेगा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडाविया की अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की यहां हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में भी ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी की ही ब्याज दर दी थी। उससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में ये दर 8.15 फीसदी थी, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह चार दशक के निचले स्तर 8.1 फीसदी तक चली गई थी। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री पवन कुमार ने कर्मचारी भविष्य निधि के कर्मचारियों के लिए पीएफ जमा पर ब्याज दर 8.25 फीसदी पर रखने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे देश के करोड़ों सैलरी पेशा कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत देने वाली खबर है।

बॉक्स ऑफिस पर फिर चमकी 'ओ रोमियो, 15वें दिन भी की करोड़ों में की कमाई, अस्सी का हाल बेहाल

विशाल भारद्वाज निर्देशित 'ओ रोमियो में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी देखन को मिली साथ ही इसमें कई और स्टार्स भी नजर आए. इस फ़िल्म को रिलीज़ होने पर मिले-जुले रिव्यू मिले. वहीं उम्मीद थी की शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की मिली-जुली स्टार पावर और डायरेक्टर की ट्रेडमार्क एटमॉस्फेरिक कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी. हालांकि ऐसा नहीं हुआ और इस फिल्म का दो हफ्ते का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा. अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. ऐसे में चलिए यहां जानते है इस फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है? 'ओ रोमियो को सिनेमाघरों में रिलीज हुए दो हफ्ते पूरे हो गए हैं. इस दौरान इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस खास नहीं रही है. हालांकि इसने 60 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर गई है और कोई नए कंप्टीशन के ना होने के बावजूद भी 15वें दिन इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'ओ रोमियो ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे 1.15 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इस फिल्म की 15 दिनों की कुल कमाई अब 62.60 करोड़ रुपये हो गई है. काफी विवादों के बाद शुक्रवार को फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कलेक्शन मिलाजुला रहा। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 3.50 करोड़ रुपये से खाता खोला। फिल्म का पहला पार्ट 'द केरल स्टोरी साल 2023 में रिलीज हुआ था। इसने पहले दिन 8.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। द केरल स्टोरी 2 पहले पार्ट का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। द केरल स्टोरी 2 के निर्देशक कामाख्या नारायण हैं। वहीं तापसी पन्नू की अदाकारी वाली फिल्म अस्सी ने 20 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। शुक्रवार को फिल्म ने 46 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अब तक 7.41 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह फिल्म गंभीर सामाजिक मुद्दे को उठाती है। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2 ने रिलीज के छठे शुक्रवार यानी 36वें दिन 20 लाख रुपयों का कलेक्शन किया है. इसी के साथ भारत में 36 दिनों की कुल नेट कमाई अब 327.10 करोड़ रुपये हो गई है.

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म राणाबली की पहली झलक जारी

मेकर्स ने वीडी14 की एक रोमांचक झलक दिखाई है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं और इसे राहुल सांकृत्यान डायरेक्ट कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित बैनर मैत्री मूवी मेकर्स के तहत बन रही है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल के साथ-साथ रिलीज़ डेट की भी घोषणा की। रणबाली 11 सितंबर, 2026 को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। कर्स्ड लैंड और उसके लेजेंडरी हीरो को पेश करने से पहले, मेकर्स ने ज़बरदस्त विज़ुअल्स और एक पावरफुल कहानी के ज़रिए भारत पर ब्रिटिश शासन को दिखाया है। राहुल सांकृत्यायन की नरेशन ब्रिटिश लोगों द्वारा किए गए अत्याचारों पर रोशनी डालती है, खासकर उन इलाकों में जिन्हें सर रिचर्ड टेम्पल जैसे अधिकारियों के तहत जानबूझकर सूखे वाले इलाके में बदल दिया गया था। यह झलक हिटलर के होलोकॉस्ट से भी बड़े नरसंहार और भारत के बड़े पैमाने पर आर्थिक शोषण के बारे में बात करती है, ये खुलासे दर्शकों के दिलों को छूने वाले हैं। विजय देवरकोंडा ने रनाबाली का किरदार निभाया है, एक नए लुक और शानदार ट्रांसफॉर्मेशन के साथ एक दमदार और प्रभावशाली मौजूदगी पेश की है। रश्मिका मंदाना ने जयम्मा का किरदार निभाया है। अर्नोल्ड वोस्लू, जो द

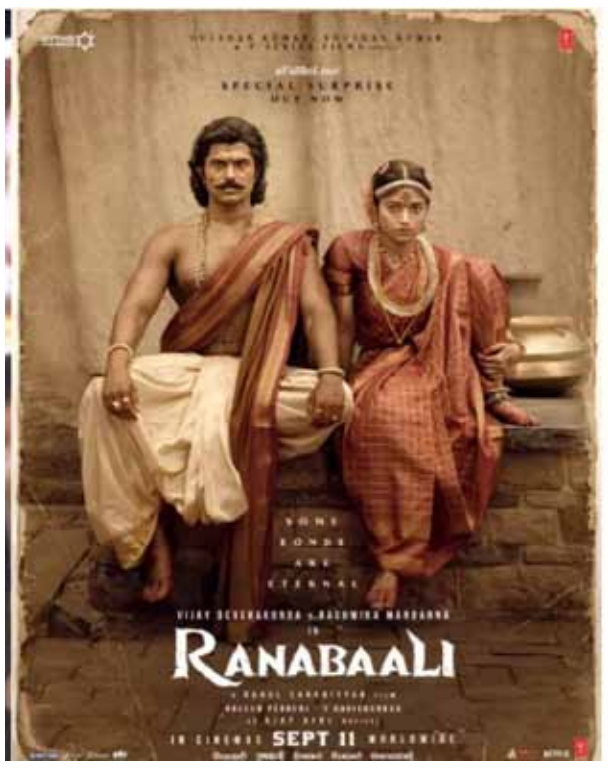

ममी के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने विलेन सर थियोडोर हेक्टर का किरदार निभाया है। एक खास पल जिसमें विजय एक ब्रिटिश अधिकारी को रेलवे ट्रैक पर घसीटते हुए घोड़े पर सवार दिख रहे हैं, उसने फिल्म की चर्चा को काफी बढ़ा दिया है। राणाबली को नवीन यरनेनी और वाई. रवि शंकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और टी-सीरीज़ फिल्म को पेश कर रही है। यह फिल्म ब्रिटिश-युग की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे एक पीरियड एक्शन ड्रामा के तौर पर बनाया जाएगा। 19वीं सदी में सेट यह फिल्म 1854 और 1878 के बीच हुई असली ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, और इसे एक बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया जा रहा है। रनाबाली 1850 के दशक की असली घटनाओं से प्रेरित है जिन्हें मुख्यधारा की इतिहास की किताबों में जगह नहीं मिली। 1850-1900 के समय की असली घटनाओं पर आधारित, ऐसी घटनाएँ जिन्हें ब्रिटिश लोगों ने इतिहास में जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया और ऐसे किरदार जिन्हें उन्होंने जंगली और विद्रोही बताया। यह कोई बायोपिक नहीं है, और न ही किसी टेक्स्टबुक की कहानी है। राणाबली एक युग का सिनेमाई पुनर्निर्माण है जो कई असली कहानियों, मौखिक इतिहास और दबाए गए रिकॉर्ड से बनाया गया है। डियर कॉमरेड और खुशी जैसी सफल फिल्मों के बाद, यह विजय देवरकोंडा और मैत्री मूवी मेकर्स के बीच तीसरा कोलैबोरेशन है। सुपर हिट टैक्सीवाला के बाद, विजय देवरकोंडा और राहुल सांकृत्यायन एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद, राणाबली तीसरी फिल्म होगी जिसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा एक साथ जोड़ी के रूप में नज़र आएंगे।

एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती; फिल्म द केरल स्टोरी 2 पर बोलीं मीरा चोपड़ा

फिल्म द केरल स्टोरी 2 कल शुक्रवार को रिलीज हो गई है। एक तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद है। कुछ लोग इसे प्रोपोगेंडा फिल्म कहकर आलोचना कर रहे हैं। मगर, वहीं, फिल्म जब थिएटर्स में लग गई है तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने इस फिल्म को देखने के बाद अपने विचार साझा किए हैं। मीरा चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म द केरल स्टोरी 2 को जरूर देखे जानी वाली फिल्म बताया है। वे लिखती हैं, फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह भारत के लिए एक वेक-अप सायरन है। एक हिंदू महिला होने के नाते, युवा लड़कियों को ग्रूम करने, जबर्दस्ती करने और सोच के आधार पर टारगेट करने को देखकर मुझे गुस्सा आता है। सिस्टमैटिक तरीके से उन्हें सिखाने और शोषण करने का तरीका डरावना है। मीरा चोपड़ा ने आगे

लिखा है, एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती। महिलाओं की सुरक्षा प्रोपेगैंडा नहीं है। यह देशभक्ति है। अगर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारा देश सुरक्षित नहीं है। हमारी महिलाओं की रक्षा करें। हमारी सभ्यता की रक्षा करें। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह को टैग करते हुए लिखा है, आपने इस फिल्म को बनाने में जो हिम्मत दिखाई है, उसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। मैं हर परिवार, हर बेटी और हर भाई से गुजारिश करूंगी कि वे यह फिल्म जरूर देखें।

जोया अफरोज ने दिया बड़ा बयान, एक्टर्स के काम को लेकर कहा- 'सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होताज्

जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 'हम साथ साथ हैं और 'मन जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज 'कोरा कागज और 'सोन परी में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था। जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए। जोया के मुताबिक, 'आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते। वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म 'ये दिल सुन रहा है को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आईं थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

आदिवी शेष की 'डकैत की बदली रिलीज डेट, 'धुरंधर 2 और 'टॉक्सिक बनी वजह! अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म?

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में 'टॉक्सिक और 'धुरंधर: द रिवेंज रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत: एक प्रेम कथा भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब 'डकैत के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है। 'टॉक्सिक और 'धुरंधर: द रिवेंज जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए 'डकैत के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली 'डकैत अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फैसले की वजह 'टॉक्सिक और 'धुरंधर 2 जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि 'डकैत लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे। 'डकैत के निर्माताओं ने दोनों फिल्मों और उनकी क्रिएटिव टीमों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि फिल्म को उसका उचित स्थान मिले और दर्शक प्रत्येक फिल्म को अपने-अपने तरीके से अनुभव कर सकें। शेनिल देव द्वारा निर्देशित 'डकैत की कहानी एक ऐसे गुस्सैल कैदी की कहानी है, जो अपनी धोखा देने वाली पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। पिछले साल दिसंबर में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। टीजर सामने आने के बाद से ही फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब उनका इंतजार थोड़ा लंबा रहने वाला है।

रोमांटिक फिल्म विद लव की स्ट्रीमिंग डेट आई सामने, नेटफ्लिक्स 6 मार्च से होगी स्ट्रीमिंग

डायरेक्टर माधन के निर्देशन में बनी फिल्म 'विद लव अपनी डिजिटल रिलीज के साथ चर्चा में बनी हुई है. फिल्म में अबिशन जीविंथ लीड रोल में हैं और उनके साथ अनस्वरा राजन भी हैं. दोनों की केमिस्ट्री और फिल्म की रोमांटिक कहानी दर्शकों को बहुत पसंद आई है. थिएटर में ठीक-ठाक प्रदर्शन के बाद अब ये जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली हैं. पहले ही बताया गया था कि नेटफ्लिक्स ने पोस्ट-थिएटरल स्ट्रीमिंग राइट्स खरीदे हैं, लेकिन अभी तक फिल्म की डिजिटल रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 6 मार्च, 2026 से स्ट्रीमिंग पर आ सकती है और ये तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषा में देखने को मिलेगी. फिल्म 'विद लव एक तमिल रोमांटिक कॉमेडी

है, जो सत्या (अबिशन जीविंथ) और मोनिशा (अनस्वरा राजन) की कहानी पर आधारित है. कहानी शुरू होती है जब दोनों एक ब्लाइंड डेट पर मिलते हैं. अपने-अपने पुराने स्कूल क्रश को खोजने और अपनी भावनाओं का इज़हार करने की इस ट्रिप के दौरान, सत्या और मोनिशा के बीच प्यार पनपने लगता है. फिल्म में नॉस्टैल्जिया, ह्यूमर और रोमांस का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है, जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखता है. फिल्म 'विद लव ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 20वें दिन तक फिल्म ने भारत में 27.7 करोड़ रुपये की कमाई की और तमिल में 25.1 करोड़, तेलुगु में 2.6 करोड. वहीं, विदेशों में 3.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म की ग्लोबल ग्रॉस 36 करोड़ रुपये हो गई है,

श्री विष्णु स्टारर मृत्युंजय का ट्रेलर रिलीज़, 6 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

श्री विष्णु मृत्युंजय नाम की एक थ्रिलर के साथ एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म जो 27 फ़रवरी को रिलीज़ होने वाली थी, बाद में 28 फ़रवरी को शिफ्ट कर दी गई और आखिरकार मेकर्स ने एक बार फिर फिल्म की रिलीज़ 6 मार्च 2026 को टाल दी। अब, रिलीज़ से पहले, मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। यंग टाइगर एनटीआर ने ट्रेलर रिलीज़ किया और मेकर्स को शुभकामनाएं दीं। यह पता है कि प्रोड्यूसर सनी, एनटीआर के करीबी हैं और इसलिए एनटीआर ने ट्रेलर रिलीज़ किया और पोस्ट किया, सनी कई सालों से मेरी ज़िंदगी का एक ज़रूरी हिस्सा रहे हैं। हमारी 18 साल की दोस्ती में, मैंने देखा है कि सनी में अपने पिता, गुन्नम गंगाराजू गारू की तरह ही अनोखी कहानियों को पहचानने की आदत है। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वह अपने पहले वेंचर, मृत्युंजय में कदम रख रहे हैं। ट्रेलर में कई दिलचस्प और दिलचस्प बातें हैं, जो तब दिखाई जाती हैं

जब श्री विष्णु ष्टक्चढ्ढ में नौकरी पाने की कोशिश करते हैं और फेल होने के बाद भी, वह रहस्य को सुलझाने के मिशन पर निकल पड़ते हैं। फिल्म में रेबा मोनिका जॉन एक अहम रोल में हैं। काला भैरव के म्यूज़िक और सिनेमैटोग्राफी ने कहानी को और भी बेहतर बना दिया है। फिल्म को संदीप गुन्नम और विनय चिलकापति ने लाइटबॉक्स मीडिया और पिक्चर परफेक्ट एंटरटेनमेंट के तहत प्रोड्यूस किया है,

पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखने से दूर हो सकती हैं परेशानियां?

हिंदू धर्म में होली के दिन अबीर यानी कि गुलाल का विशेष महत्व है। अब ऐसे में पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखना चाहिए। जिससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

हिंदू धर्म में होली के दिन पूजा के गुलाल का विशेष महत्व है। यह न केवल रंगों का त्योहार है, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी है। इस दिन लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर और गुलाल लगाकर खुशियां मनाते हैं। होली के दिन, भक्त अपने इष्ट देवताओं को रंग और गुलाल अर्पित करते हैं। यह माना जाता है कि ऐसा करने से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। राधा-कृष्ण की पूजा का इस दिन विशेष महत्व है।

भक्त उन्हें रंग-बिरंगे गुलाल से सजाते हैं और उनकी आराधना करते हैं। अब ऐसे में कई लोग भगवान को पूजा करने के दौरान सीधे गुलाल के पैकेट से ही रंग चढ़ा देते हैं, लेकिन इसे शुभ नहीं माना जाता है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखना शुभ माना जाता है?

पूजा के गुलाल को तांबे या पीतल के बर्तन में रखना सबसे शुभ माना जाता है। ये दोनों धातुएं शुद्ध और पवित्र मानी जाती हैं, और इनका उपयोग अक्सर पूजा-पाठ में किया जाता है। तांबा एक शुद्ध धातु है, और यह माना जाता है कि इसमें सकारात्मक ऊर्जा होती है। तांबे के बर्तन का उपयोग अक्सर धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है, क्योंकि इसे पवित्र माना जाता है।

पूजा का गुलाल भगवान को कैसे चढ़ाएं?

भगवान कृष्ण और विष्णु जी को पीला गुलाल चढ़ाना शुभ माना जाता है। आप चाहें तो उन्हें पीले रंग के फूल भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान गणेश को लाल रंग का गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें लाल सिंदूर भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान शिव को सफेद या नीला गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें बेलपत्र और धतूरा भी अर्पित कर सकते हैं।

देवी दुर्गा को लाल या गुलाबी गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें लाल चुनरी और फूल भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान को गुलाल चढ़ाने के लिए, सबसे पहले उन्हें स्नान कराएं और नए वस्त्र पहनाएं। फिर, एक थाली में गुलाल और फूल रखें। भगवान की आरती करें और उन्हें गुलाल अर्पित करें। आप चाहें तो उन्हें मिठाई और फल भी अर्पित कर सकते हैं।

रसभरे रंगों और उमंग का पर्व है होली

होली रंगों का त्योहार है, रसभरे रंगों और उमंग भरे गीतों का पर्व है. यह फसल तैयार होने के बाद मस्ती की धुन में झूमते किसानों का उत्सव है, लोक आस्थाओं और सनातन परंपराओं का आयोजन है. कोई नहीं जो इसके रंग में रंगे बिना दामन बचाकर निकल जाए.

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक पर्व उत्सव के साथ-साथ आध्यात्मिक संदेश और जीवन दर्शन का प्रतीक होता है। उन्हीं पावन पर्वों में से एक है होली। जो रंगों, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम माना गया है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल बाहरी रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि अंतर्मन को प्रेम, करुणा और सद्भाव से रंगने का अवसर है। इस साल 3 मार्च को चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। इसलिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि रंग कब खेला जाएगा? ज्योतिष के अनुसार चंद्रग्रहण लगने के नौ घंटे पहले से सूतक काल प्रारंभ हो जाता है। सूतक काल में किसी भी तरह के धार्मिक उत्सव मनाने से परहेज किया जाता है। ऐसे में होली 4 मार्च 2026 को मनाया जाएगा। अगर शास्त्र सम्मत विधि की बात की जाए तो ग्रहण के समापन के उपरांत रंग खेल सकते हैं। इसलिए धुलंडी 4 मार्च को ही खेली जाएगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन सूर्यास्त के बाद, यानी प्रदोष काल में करना शुभ माना जाता है। उस समय पूर्णिमा तिथि होनी चाहिए और भद्रा समाप्त हो चुकी हो। द्रिक पंचांग के अनुसार पूर्णिमा के शुरुआती समय में भद्रा का प्रभाव रहता है। भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। इसलिए होलिका दहन हमेशा भद्रा खत्म होने के बाद ही करना चाहिए, तभी इसका पूरा शुभ फल प्राप्त होता है।

चंद्रग्रहण का समय

पंचांग के अनुसार इस बार होली के साथ ही चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में दृश्यमान रहेगा। इसलिए सम्पूर्ण भारत में ग्रहण का सूतककाल भी लागू रहेगा। भारतीय समयानुसार, चंद्रग्रहण 3 मार्च को दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। जिसका समापन शाम 6 बजकर 47 मिनट पर होगा। अगर कुल अवधि की बात की जाए तो इस बार का चंद्रग्रहण 3 घंटे 27 मिनट तक दिखेगा।

प्रह्लाद की अटूट भक्ति

होली का मूल संबंध भक्त प्रह्लाद और उनके पिता हिरण्यकशिपु की कथा से जुड़ा है। हिरण्यकशिपु असुरराज था, जिसने अपने अहंकार में स्वयं को ईश्वर घोषित कर दिया था। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। अनेक यातनाएँ देने के बावजूद प्रह्लाद की भक्ति अडिग रही। अंततः हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। किन्तु दैवीय न्याय देखिए, होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित रहे। इसी स्मृति में होलिका दहन किया जाता है। यह दहन केवल लकड़ियों, गोबर के उपलों और बल्लों का नहीं, बल्कि अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और पाप प्रवृत्तियों का होता है।

रंगों की होली

होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों की होली खेली जाती है। यह दिन सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम का प्रतीक है। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, जाति-पंथ के भेद मिटाकर सभी एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। सनातन परंपरा में ब्रजभूमि में इस त्यौहार का विशेष महत्व है। वृंदावन और बरसाना की लठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इस त्यौहार राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं की स्मृति है, जो ब्रज जी गलियों सहित पूरे भारत में आज भी जीवंत है। होली रंगों के पर्व के साथ पकवानों और मिठाई का भी त्यौहार है। इस पर्व में हर घर में तरह-तरह की मिठाइयां और पकवान बनाए जाते हैं। आइए जानते हैं इस त्यौहार पर बनाएं जाने वाले कुछ खास पकवानों के बारे में-

गुझिया: गुझिया एक खास पकवान है, जिसके बिना इस त्यौहार का पर्व अधूरा सा रहता है। यह पकवान भारतवर्ष के लगभग हर घर में बनाया जाता है और लोग होली के रंगों के साथ गुझिया खाना व खिलाना खूब पसंद करते हैं।

दही बड़े: दही बड़े भी इस त्यौहार का एक खास पकवान है जिसके बिना होली अधूरी सी लगती है। इस त्यौहार पर यह पकवान खास तौर पर ब्रज के घरों में अवश्य बनाया जाता है।

गुलाब जामुन: गुलाब जामुन एक प्रसिद्ध भारतीय मिठाई है, जिसके बिना उत्सव का रंग ही फीका पड़ जाता है, इसलिए हर घर में इस त्यौहार के उत्सव में इस मिठाई को जरूर शामिल किया जाता है। घर वाले खुद भी इस मिठाई को बड़े चाव के साथ खाते हैं और होली मिलन के लिए आए मेहमानों को भी गुलाब जामुन जरूर खिलाते हैं।

इन मिठाई और पकवानों के अलावा घरों में गाढिये, नमकीन पूड़ियां और मालपुए भी इस त्यौहार का जायका बढ़ाते हैं।

इस दिन खेली जाएगी रंगों की होली

होलिका दहन की तिथि पर लोगों में भ्रम की स्थिति है। 3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण भी पड़ रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि सोमवार 2 मार्च को सायं 5:57 बजे समाप्त होगी, इसके बाद पूर्णिमा तिथि का आरंभ प्रदोष काल में होगा। शास्त्रसम्मत निर्णय के अनुसार 2 मार्च को शाम 6:15 से रात 8:47 बजे तक प्रदोष काल में होलिका दहन करना शुभ और श्रेष्ठ रहेगा।

मथुरा

3 मार्च को पूर्णिमा तिथि प्रदोष काल से पूर्व ही समाप्त हो रही है। उस दिन चंद्रग्रहण भी निर्धारित है। 3 मार्च को चंद्रग्रहण का सूतक प्रातः 6:20 बजे से प्रारंभ होगा। ग्रहण का स्पर्श दोपहर 3:20 बजे, जबकि सायं 6:47 बजे मोक्ष होगा। सूतक काल में मंदिरों के पट बंद रहेंगे और पूजा-पाठ, मूर्ति स्पर्श, भोजन बनाना व ग्रहण करना वर्जित रहेगा। बालक, वृद्ध और रोगग्रस्त व्यक्तियों के लिए शास्त्रों में नियमों में शिथिलता का प्रावधान है। इसलिए रंगों से होली 4 मार्च को खेली जाएगी। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार होली पर दुर्लभ खगोलीय संयोग देखने को मिलेगा। 2 मार्च की शाम 5:56 के उपरांत पूर्णिमा तिथि प्रारंभ हो रही है। 3 मार्च को चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण के 9 घंटे पूर्व से सूतक प्रारंभ होते है। होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में ही किया जाता है। सागर पंचांग के अनुसार 2 मार्च को ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा।

4 को खेली जाएगी होली

ज्योतिषाचार्य अनीता पाराशर ने बताया कि होलिका दहन 2 मार्च सोमवार को शाम 6:22 बजे से रात 8:53 बजे तक शुभ मुहूर्त में किया जाएगा। 3 मार्च को चंद्रग्रहण और सूतक काल होने के कारण इस दिन होली खेलना संभव नहीं होगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल 3 मार्च को प्रात 6:20 बजे से शाम 6:40 बजे तक रहेगा। ग्रहण और सूतक के कारण इस दिन होली खेलना वर्जित रहेगा

इसलिए 4 मार्च बुधवार को होली खेली जाएगी।

बहुसांस्कृतिक समाज के जीवंत रंगों का प्रतीक होली

होली पर्व भारत में धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला प्राचीन पर्व है। होली पर्व हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुल महीने के शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली पर्व भारत में परंपरागत रूप से 2 दिन मनाया जाता है। पहले दिन फाल्गुन मास की पूर्णिमा को पूजा की होली मनाई जाती है। इस दिन होलिकादहन होता है। इस दिन गोबर के उपलों या लकड़ियों से भारत में जगह-जगह होली रखी जाती है। सभी लोग प्राचीन परंपराओं के अनुसार होली को पूजते हैं और रात में होलिकादहन होता है। जलती हुई होली के चारों ओर लोग परिक्रमा करते हैं तथा अपने और अपनों के लिए मनौतियां मांगते हैं। उत्तर भारत में होलिकादहन के दिन जलती हुई होली में गेहूं की बाली को भूनकर खाने की परंपरा है।

होली के दूसरे दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को धुलेंडी यानी कि खेलने वाली होली मनाई जाती है। धुलेंडी के दिन लोग एक-दूसरे को सुबह उठकर गुलाल लगाने जाते हैं। इस दिन छोटे अपने बड़ों से गुलाल लगाकर आशीर्वाद लेते हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं और पारंपरिक रूप से होली मनाते हैं। इस दिन घर-घर जाकर लोगों को रंग लगाया जाता है। धुलेंडी के दिन भारत देश के गली-मोहल्लों में ढोल बजाकर होली के गीत गाए जाते हैं और नाच-कूद किए जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि होली के दिन लोग अपने गले-शिकवे और आपसी कटुता भूलकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं और पुनः दोस्त बन जाते हैं। रंगों से होली खेलने और नाचने-गाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद लोग नहा-धोकर थोड़ा विश्राम करने के पश्चात नए कपड़े पहनकर सांझ में एक-दूसरे के घर मिलने जाते हैं। लोग अपनी कटुता भुलाकर गले मिलते हैं और एक-दूसरे को होली पर पारंपरिक रूप से बनाई जाने वाली गुजिया और अन्य मिठाइयां खिलाते हैं। अगर ब्रज की बात की जाए तो ब्रज में होली पर्व की शुरुआत वसंत पंचमी के दिन से ही हो जाती है। वसंत पंचमी के दिन ब्रज के सभी मंदिरों और चौक-चौराहों पर होलिकादहन के स्थान पर होली का प्रतीक एक लकड़ी का टुकड़ा गाड़ दिया जाता है और लगातार 45 दिनों तक ब्रज के सभी प्राचीन मंदिरों में प्रतिदिन होली के प्राचीन गीत गए जाते हैं। ब्रज की महारानी राधाजी के गांव बरसाने में होली से 8 दिन पहले फाल्गुन महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन लड्डूमार होली से इस प्राचीन पर्व की शुरुआत होती है। इसके बाद फाल्गुन महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन से लठमार होली की शुरुआत होती है, जो कि होली का त्योहार खत्म होने तक लगातार चलती है।

पूरे विश्वभर में मशहूर बरसाना की लठमार होली में (हुरियारिनें) महिलाएं, पुरुषों (हुरियारों) के पीछे अपनी लाठी लेकर भागती हैं और लाठी से मारती हैं। हुरियारे खुद को ढाल से बचाते हैं। इस लठमार होली को दुनियाभर से लोग देखने को आते हैं। यह होली राधारानी के गांव बरसाने और श्रीकृष्णजी के गांव नंदगांव के लोगों के बीच में होती है। बरसाने और नंदगांव के बीच लठमार होली की परंपरा सदियों से चली आ रही है। होली पर्व पूरे देश में परंपरा, हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है। होली पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। होली पर्व हमारे देश में उपस्थित बहुसांस्कृतिक समाज के जीवंत रंगों का प्रतीक है। होली पर्व देश में हमारी संस्कृति और सभ्यता के मूल सहिष्णुता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने वाला पर्व है। इस पर्व को सभी लोगों को शांति, सौहार्द और भाईचारे की भावना से मनाना चाहिए। देश के सभी नागरिकों को इस दिन सांप्रदायिक भावना से ऊपर उठकर अपने गले-शिकवे और कटुता का परित्याग कर बहुलवाद की भावना से अपने आपको रंगना चाहिए जिससे कि देश में शांति, सौहार्द, समृद्धि और खुशहाली कायम हो सके।